सुविचार
अपनी लाइफ में हमेशा दूसरों को समझने की कोशिश कीजिए, परखने की नही..!!

साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech

RNI.NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

वर्ष 7, अंक-31 www.yuvapradesh.in भोपाल, शुक्रवार 09 सितम्बर 2022 ypnews24@gmail.com पृष्ठ -8 मूल्य 2 रुपये

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak

जानिए भारत के संविधान की पृष्ठभूमि क्या है/Know what is the background of the Constitution of India....

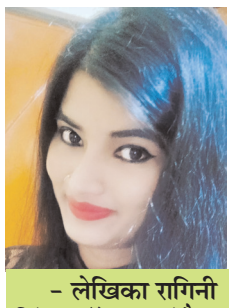

- लेखिका रागिनी सिंह (लॉ छात्रा इंदौर)
8349039543

संविधान क्या है? - कानून के जानकार के अलावा आम व्यक्ति को जो ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करते हैं उन्हें आजतक संविधान के बारे में पता नहीं है हम आपको सरल एवं स्पष्ट शब्दों में बताएं कि संविधान क्या है एवं इसका गठन कैसे और क्यूँ किया गया हैं जानिए। किसी भी स्वतंत्र(आजाद) देश की शासन व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए दिशा-निर्देशों की आवश्यकता होती है और इन दिशा-निर्देशों का एकमात्र साधन उस देश का संविधान होता है, एवं वह उस देश की सर्वोत्तम मौलिक विधि होती है। अतः हम कह सकते हैं की एक अच्छा संविधान ही राष्ट्र के पूर्ण विकास में भरपूर योगदान एवं सहायता दे सकता है।

भारतीय संविधान की संरचना कैसे हुई जानिए-

भारत के संविधान के निर्माण की अगर बात करे तो इसका निर्माण एक संविधान सभा द्वारा किया गया हैं, जिसकी स्थापना का श्रेय कैबिनेट मिशन योजना,1946 को जाता है। प्रारंभ में संविधान सभा में वकुल 389 सदस्य थे,जिनमे से 292 प्रान्तों के प्रतिनिधि,3 मुख्य आयुक्त प्रान्तों के, 93 राज्यो के प्रतिनिधि एवं 1 बलूचिस्तान का प्रतिनिधि था। 1947 में देश के बटबारे के बाद मुस्लिम लीग के अपने सदस्यों को संविधान सभा से वापस बुला लिया था,इसके बाद संविधान सभा में सदस्यों की संख्या 299 रह गई। संविधान के निर्माण हेतु संविधान से सम्बंधित 22 समितियों का गठन किया गया, जिसमें से 12 समितियां मूल मामलों से सम्बंधित थी एवं 10 समितियां कार्यविधि संबंधित मामलों से सम्बंधित थी। 22 समितियों द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के आधार पर डॉ. भीमराव अंबेडकर की अध्यक्षता में एक सात सदस्यीय प्रारूप समिति ने संविधान का एक प्रस्ताव तैयार किया जिसे जनवरी,1948 में प्रकाशित कर दिया गया। जनता को इस प्रारुप पर विचार करने एवं संशोधन बताने के लिए आठ महीने का समय दिया गया। कुल 7635 संशोधन सदन में पेश किए गए जिसमें से 2473 पर बहस हुई एवं उन्हें निपटाया गया। संविधान प्रारूप को जनता, प्रेस एवं प्रांतीय सभाओं के साथ विचार-विमर्श एवं विभिन्न सुझावों के उपरांत संविधान सभा ने 26 नवंबर 1949 को संविधान को अपना लिया एवं संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ श्री राजेन्द्र प्रसाद जी ने हस्ताक्षर कर ही दिए। इस प्रकार पूरे 2 वर्ष 11 माह एवं 18 दिन का समय लगा एवं 26 जनवरी 1950 को भारतीय संविधान को पूरी तरह से लागू कर दिया गया।

संविधान निर्माण की कुछ महत्वपूर्ण जानकारी?

1. सर्व प्रथम संविधान निर्माण का विचार स्वराज पार्टी ने 1934 में दिया।
2. डॉ भीम राव अम्बेडकर को भारतीय संविधान का जनक कहा जाता है।
3. संविधान सभा की बैठक 167 दिन तक चली।
4. संविधान सभा ने सर्वप्रथम राष्ट्रीय ध्वज की सर्वप्रथम 22 जुलाई,1947 की स्वीकार किया
5. संविधान सभा ने जन गण मन भारत के राष्ट्रीय गान को 24 जनवरी 1950 को अपनाया।
6. संविधान सभा में वयस्क मताधिकार की आयु 15 वर्ष जो यह मुद्दा मौलाना आजाद ने उठाया है।
7. संविधान सभा में कुल 11 सत्र हुए जो प्रथम सत्र 9 से 23 दिसम्बर,1946 तक चला एवं ग्यारहवा सत्र 14 से 26 नवंबर,1949 तक चला।

1020 टन यूरिया यहां-वहां, कंपनी के प्रतिनिधि ने सरकारी केंद्रों का यूरिया कहीं और उतरवाया

जबलपुर। जबलपुर से मंडला-डिंडौरी-दमोह और सिवनी जिले के कोटे का यूरिया संबंधित डबल लाक केंद्रों तक नहीं पहुंच पाने के मामले में सख्त कार्रवाई की तैयारी है। प्रशासन की ओर से कराई गई जांच में साफ हो गया है कि कंपनी के प्रतिनिधि ने शासकीय केंद्रों का यूरिया कहीं और उतरवा दिया। इस सिलसिले संभागीय आयुक्त बी. चंद्रशेखर के माध्यम से अपर मुख्य सचिव को पत्र लिखा जा रहा है। मामला कुछ इस तरह से रहा कि 25 अगस्त को जबलपुर के कछपुरा मालगोदाम पर यूरिया का रैक खाली हुआ। यहां से यूरिया आस-पास के जिलों को भेजा गया था। लेकिन जबलपुर सहित मंडला-डिंडौरी-दमोह और सिवनी जिले के अनेक डबल लाक केंद्रों पर यूरिया की खेप नहीं पहुंच पाई है। जिन स्थानों पर यूरिया नहीं पहुंचा, वहां के जिम्मेदारों ने पहले तो कुछ दिन इंतजार किया, इसके बाद इसकी सूचना कृषि और मार्कफेड के अफसरों को दी। इसके बाद मामले का राजफाश हुआ।

जांच के बनाई गई कमेटी

कृषि विभाग के संयुक्त संचालक केएस नेताम का कहना है कि संबंधित जिलों के उप-संचालक कृषि को इस बात का पता लगाने के लिए निर्देशित किया गया। जबलपुर सहित मंडला-डिंडौरी और सिवनी जिले में विपणन और कृषि विभाग के अफसरों की जांच टीमें बनाई गईं। जांच कमेटी का अध्यक्ष संबंधित जिले के डीएमओ को बनाया गया। इन टीमों ने दो दिन की जांच के बाद रिपोर्ट संभागीय आयुक्त बी. चंद्रशेखर को सौंप दी।

ये है सप्लाई का फार्मूला

नियमों के अनुसार जितनी भी कंपनियां यूरिया बनाती हैं, उनको 70 प्रतिशत यूरिया डबल लाक सेंटरों को पहुंचाना होता है। शेष 30 प्रतिशत हिस्सा कंपनी प्रायवेट दुकानदारों को सप्लाई करती है। रैक लगवाने, खाली करवाने से लेकर डबल लाक केंद्रों तक पहुंचाने तक का जिम्मा फर्टीलाइजर कंपनी का ही होता है। कंपनी अपने अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से यह काम करवाती है। इसके लिए बकायदा एक ट्रांसपोर्टर तय किया जाता है। कंपनी के प्रतिनिधि को केवल सप्लाई आर्डर मार्कफेड के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है।

राज्य शासन को भेजा पत्र

पांच जिलों के लिए 1853 मीट्रिक टन यूरिया भेजे जाने का सप्लाई लैटर कृभको कंपनी के प्रतिनिधि को सौंपा गया था, लेकिन उसकी ओर से केवल 833 मीट्रिक टन ही संबंधित जिलों को सप्लाई किया गया। शेष यूरिया का हिसाब कंपनी प्रतिनिधि नहीं दे पाया, इसलिए कंपनी पर कार्रवाई के लिए संभागीय आयुक्त के माध्यम से राज्य शासन को पत्र भेज दिया गया है।

गैर बासमती चावल के निर्यात पर 20 प्रतिशत एक्सपोर्ट ड्यूटी, महंगाई रोकने की कवायद

इंदौर। देश में इस साल चावल का कैरीओवर स्टाक नाममात्र का है। अगले सीजन यानी अक्टूबर से आने वाले धान में भी उत्पादन कमजोर आंका जा रहा है।देशी बाजार में चावल की कीमतें बढ़ती जा रही है। इसी को देखते हुए सरकार ने शुक्रवार को बड़ा निर्णय ले लिया। चावल के निर्यात पर शुल्क लगाने का आदेश दे दिया गया है। केंद्र के आदेश के अनुसार अब गैर बासमती चावल के निर्यात पर 20 प्रतिशत एक्सपोर्ट ड्यूटी लागू होगी। तत्काल प्रभाव से यह आदेश लागू कर दिया गया है। बासमती और भाप दिए (प्रीबाइल्ड) चावल को निर्यात शुल्क से मुक्त रखा गया है। वित्त मंत्रालय के आदेश के संदर्भ

में देश के चावल बाजार के आंकड़ों पर नजर डाले तो 2021-22 में देश से कुल 17 मिलियन टन गैर बासमती चावल निर्यात हुआ था। 60 प्रतिशत हिस्सा सफेद चावल का है शेष प्रीबाइल्ड व अन्य प्रकार के चावल है। इस बीच खबर आ रही है 2 मिलियन टन चावल के कंसाइनमेंट लदान के बाद रवाना होने की तैयारी में है। यह कंसाइनमेंट भी अब एक्सपोर्ट ड्यूटी की जद में आ जाएगा। भारत दुनिया का सबसे बड़ा चावल निर्यातक बनकर उभरा है। 2021-22 में कुल 9.6 बिलियन डालर की कमाई चावल निर्यात से हुई है। इस बीच अरब देशों से बासमती की अच्छी मांग बनी हुई है, जबकि अफ्रीका और एशियाई देशों से भारतीय गैर बासमती चावल की मांग निकल रही है। दूसरी ओर देश में खरीफ सीजन में धान की बुवाई 5 प्रतिशत तक कमजोर है।

रायसेन जिले के तहसील उदयपुरा अम्बेडकर भवन में भीम आर्मी भारत एकता मिशन कि बैठक का आयोजन किया गया

उदयपुरा/रायसेन। दिनांक 4 सितंबर 2022 दिन रविवार को रायसेन जिले के तहसील उदयपुरा अम्बेडकर भवन में भीम आर्मी भारत एकता मिशन कि बैठक का आयोजन किया गया । जिसने मुख्य रूप से भीम आर्मी के रायसेन जिलाध्यक्ष जीतेन्द्र मूलनिवासी जी,समाज सेवी रमन बामने जी ,वरिष्ठ सेवा निवृत शिक्षक बालकिशन नरवरिया जी,भीम आर्मी जिला मुख्य प्रभारी राकेश अम्बेडकर जी , जिला महासचिव बालमुकुंद टेटवार जी,जिला कार्यकारिणी सदस्य जीतेंद्र बघेल जी ,पूर्व उदयपुर तहसील अध्यक्ष संदीप बघेल जी, उदयपुरा एवं आस पास के ग्रामों के तमाम युवा उपस्थित रहे जिसमे सर्व सम्मति से सीताराम नरवरिया को उदयपुरा तहसील अध्यक्ष के पद पर पदस्थ किया गया । बाबा साहब अम्बेडकर जी की प्रतिमा पर मालयार्पण कर बैठक की शुरुआत की गई । जिसमें बहुजन समाज ने जन्मे सभी संतो गुरुओं महापुरषों वीर वीरांगनाओ के संघर्षों के बारे बताया गया एवं भीम भीम आर्मी के संस्थापक चंद्रशेखर आजाद जी के संघर्ष से सभी को अवगत कराया गया । बहुजन समाज के लोगो पर बढ़ते अन्याय अत्याचारों को रोकने हेतु चर्चा की गई। समाज को नई दिशा में ले जाने ओर समाज को जागृत करने के लिए युवक को मार्गदर्शन दिया गया । श्री बालकिशन नरवरिया जी ने युवाओं को सही मार्ग पर चलने ओर महापुरषों को के लिए युवाओं को प्रेरित किया,साथ ही श्री रमन बामने जी ने संविधान को पढ़ने और अपनी अधिकारों को जानने की बात कही,भीम आर्मी जिलाध्यक्ष ने बताया की समान का मानसिक , शारीरिक,ओर आर्थिक विकाश होना बहुत आवश्यक है आज हमे बाबा साहब अम्बेडकर जी के बताए मार्ग पर चलने की आवश्यकता है । ओर ही रहे अत्याचारों के खिलाफ इंसाफ की आवाज उठाना बहुत जरूर हो गया है । भीम आर्मी बहुजन समाज के मान सम्मान की लड़ाई को लड़ने जा काम करती हैं जिला पदाधिकारियों ने भीम आर्मी को मजबूत करने की बात कही । सभी ने इस बैठक कि आयोजक कर्ताओं का आभार व्यक्त किया ।बहुजन समाज उदयपुरा के समस्त युवाओं के सहयोग से ये बैठक संपन्न हुई ।

चुगली करके सावधान करना कब मानहानि का अपराध नहीं होता है जानिए/Legal advice.....

चुगली करने वाले चुगलखोर हर स्थान पर मिलते हैं प्राचीन काल में भी चुगलखोरो के कारण बहुत से राजाओं ने न जाने कितने निर्दोष लोगों की जान ली हैं, वर्तमान समय में अगर देखे तो चुगलखोरो की कही कमी नहीं है। उधारानुसार अगर हम बात करे तो जब कोई लड़का शादी के लिए किसी लडक़ी को पहली बार देखने उसके घर जाता है तब पड़ोसी या लड़की के नजदीकी रिश्तेदार लड़के को बोलते हैं की लडकी का चाल चलन ठीक नहीं है एवं लड़के वाले को सावधान करते हैं,ऐसे बहुत से उधारानुसार होते हैं जैसे महिलाओं की चुगली-चांटी आदि करना मानहानि का अपराध होगा या नहीं जानते हैं।

भारतीय दण्ड संहिता,1860 की धारा 499 (अपवाद क्रमांक 10 की परिभाषा?

किसी व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति के विरुद्ध सद्भावना-पूर्वक सावधान करना तब मानहानि का अपराध नहीं होगा जब ऐसी सावधानी या चेतावनी उस व्यक्ति की भलाई के लिए दी गई हो। जैसे कि किसी कंपनी के डारेक्टर को सूचित करना की जिस व्यक्ति की आप नियुक्ति करने वाले हैं उसका चरित्र सही नहीं है उसे पूर्व की नोकरी से भ्रष्टाचार के आरोप में निकला था तब यह मानहानि का अपराध नहीं होगा।

?? लेखिका श्रीमती ज्योति सिंह चौहान(महिला सामाजिक कार्यकर्ता एवं जिला ब्यूरो चीफ युवा प्रदेश समाचार पत्र अलीगढ़ उत्तर प्रदेश)

आवश्यकता
युवा प्रदेश नेटवर्क
मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।
युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक-नागेश नरवरिया
मो.- 9425156055-9755364204

जिले के बिजुरी, कोतमा एवं बरगवां (अमलाई) के नगरीय निकाय निर्वाचन कार्यक्रम राज्य निर्वाचन आयोग ने किए घोषित

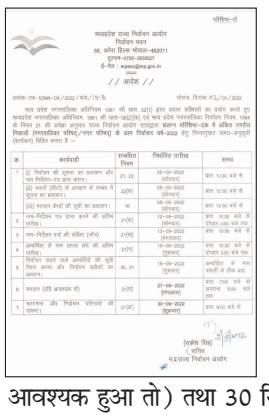

आदर्श आचरण संहिता संबंधित क्षेत्रों में तत्काल प्रभाव से लागू

अनूपपुर। नगर पालिका परिषद कोतमा बिजुरी एवं नवगठित नगर परिषद बरगवां अमलाई के निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा कर दी गई है जिससे इन क्षेत्रों में आदर्श आचरण संहिता प्रभावसील हो गई है नगरीय निकायों में अभ्यर्थियों द्वारा 5 सितंबर से नाम निर्देशन पत्र दाखिल किए जा सकेंगे 27 सितंबर को मतदान (यदि आवश्यक हुआ तो) तथा 30 सितंबर को मतगणना होगी

आजादी के 75वी वर्षगांठ पर विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम।। शासकीय नर्मदा महाविद्यालय नर्मदापुरम में गुरुवार को आजादी की 75वी वर्षगाँठ अमृत महोत्सव के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शीर्षक स्वतंत्रता का संघर्ष और उसका देशव्यापी स्वरूप जिसके तहत पोस्टर प्रतियोगिता, गायन प्रतियोगिता,निबंध प्रतियोगिता, एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए प्राचार्य डॉ. ओं एन चौबे ने कहा रंग संयोजन एवं पोस्टर रंगोली निर्माण युवा मस्तिष्क की सकारात्मक अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है।उसी प्रकार निबंध भाषण भी मानसिक अभिव्यक्ति की प्रक्रिया हैं, डॉ श्रीमती ईरा वर्मा आजादी का संघर्ष देश को स्वतंत्रता दिलाने मात्र तक सीमित नहीं है यह एकता ओर अखंडता निर्माण की आधार शिला है। एवं एवं कल्पना विश्वास ने पोस्टर निर्माण को सम्पन्न कराया इसी प्रकार प्रीति आनंद उदयपुरे ने रंगोली प्रतियोगिता सम्पन्न कराई एवं डॉ. विनीता अवस्थी ने समूह गीत प्रतियोगिता सम्पन्न कराई। कार्यक्रम में विद्यार्थीयो ने सक्रिय भागीदारी की डॉ श्री सुनील कुमार दिवाकर ने कहा अमृत महोत्सव के द्वारा युवाओं को देश की एकता बनाये रखने की लिए जागरूक किया जा रहा है इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं सहित शिक्षक नित्या पटेरिया, डॉ. श्रीमती मीना कीर, डॉ. योगेंद्र सिंह, मनीष परिहार, आरती सिंह, नीता वर्मा, डॉ. रोशनी थापक, चेतना पवार, रीना सक्सेना, सुरभी भट्ट, जय सिंह ठाकुर आदि उपस्थित रहे।

शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम।। स्वाधीनता के अमृत महोत्सव के अंतर्गत गुरुवार को शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्राओं ने स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों के व्यक्तित्व का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता की रूपरेखा की प्रेरणास्रोत महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने कहा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता के माध्यम से युवा छात्राओं को स्वतंत्रता सेनानियों का वेश धारण कर उनके जज्बे से अवगत कराने का बेहतर तरीका है। कार्यक्रम में निर्णायक के रूप में डॉ. श्रीमती आर.बी. शाह, डॉ. श्रीमती मनीषा तिवारी एवं डॉ. श्रीमती नीतू पवार उपस्थित हुये। कार्यक्रम में उपस्थित डॉ. किरण पगारे एवं डॉ. अरुण सिकरवार ने छात्राओं को अपने प्रेरणास्रोत उद्बोधन में ऐसी प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का सन्देश दिया। छात्राओं द्वारा महारानी लक्ष्मी बाई, राजस्थानी वीरांगना, पंडित जवाहर लाल नेहरू आदि महानायकों के व्यक्तित्व का प्रदर्शन फैंसी ड्रेस के माध्यम से किया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. भारती दुबे ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुये बधाई दी और भविष्य में और बेहतर प्रस्तुति हेतु प्रेरित किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रिया मेहरा, द्वितीय स्थान खुशी राजपूत एवं तृतीय स्थान पूजा कुशवाह ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती आभा वाधवाएवंआभार डॉ. निशा रिछारिया के द्वारा किया गया। फैंसी ड्रेस कार्यक्रम के दौरान डॉ. पुष्पा दुबे, डॉ. वर्षा चौधरी, डॉ. श्रुति गोखले, डॉ. संध्या राय आदि प्राध्यापक एवं अनेक छात्रायें उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के निर्देशानुसार शिक्षक दिवस मनाया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय नर्मदापुरम में पांच सितम्बर को उच्च शिक्षा विभाग एवं फाइव बटालियन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना निर्देशानुसार प्राचार्य के मार्गदर्शन में शिक्षक दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती पूजन के साथ किया गया इसके पश्चात छात्राओं ने महाविद्यालय की की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन का शॉल श्रीफल एवं पुष्प गुच्छ के साथ सम्मान किया। इसके पश्चात महाविद्यालय के समस्त शिक्षक गणों का तिलक लगाकर श्रीफल से सम्मान किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने बताया कि शिक्षक दिवस डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस के रूप में मनाया जाता है एवं उन्होंने कई क्षमताओं में अपने देश की सेवा की है। लेकिन सबसे बढ़कर, वह एक महान शिक्षक थे जिनसे हम सभी ने सीखा है। एक महान दार्शनिक, एक महान शिक्षाविद और एक महान मानवतावादी को अपने राष्ट्रपति के रूप में रखना भारत का विशिष्ट विशेषाधिकार है। यह अपने आप में उस तरह के लोगों को दर्शाता है जिनका हम सम्मान और सम्मान करते हैं। कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा कविता पाठ एवं व्याख्यान का आयोजन किया गया एनसीसी रांची में ईच वन टीच वन रीच वन के अंतर्गत शिक्षकों के सम्मान में कविता पाठ किया एनएसएस की स्वयंसेवी कुमारी अंशिका कुमारी पूजा कुमारी दीप्ति ने अपनी शिक्षकों के सम्मान में गीत एवं स्वरचित कविताओं का पाठ किया। इस अवसर पर डॉ किरण पगारे, डॉ पुष्पा दुबे, वर्षाचौधरी, डॉ श्रीकांत दुबे, डॉ. अरुण सिकरवार डॉ. कंचन ठाकुर, डॉ. रामबाबू मेहर, डॉ. संगीता अहिरवार, डॉ रश्मि श्रीवास्तव, एनएसएस अधिकारी डॉ. हर्षा चचाने, डॉ. रीना मालवीय एनसीसी प्रभारी डॉ संगीता पारे, श्वेता वर्मा, डॉ. आर.बी शाह, डॉ श्रुति गोखले, डॉ. सीएस राज डॉ.प्रेमकांत कटंगकार, डॉ दीपक अहिरवार, डॉ रागिनी सिकरवार, श्री रफीक अली, डॉ.कीर्ति दीक्षित, अंकिता तिवारी, सौम्या चौहान, दीपिका राजपूत, डॉ. अनिल रजक, श्रीमती शीतल मेहरा, राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेवीकाएं एवं एनसीसी कैडेट्स बड़ी छात्राओं में छात्राएं उपस्थित रही।

वार्ड क्र .10 एवं 11 की पार्षद महोदया का रहा विशेष सहयोग।

धनपुरी अमराडंडी वार्ड क्र .10 में गणेश उत्सव मे हुआ रंगारंग कार्यक्रम

युवा प्रदेश नेटवर्क

शहडोल। धनपुरीअमराडंडी वार्ड क्रमांक 10 धनपुरी में अमराडंडी बाजार में स्थित सार्वजनिक स्टेज में गणेश उत्सव का डांस एवं गीत प्रतियोगिता का कार्यक्रम हुआ मुख्य अतिथि जैतपुर विधानसभा की विधायिका मनीषा सिंह व विशिष्ट अतिथि रविंदर कौर छाबड़ा न.पा अध्यक्ष धनपुरी सभापति स्कंद कुमार सोनी, नीतू सोनकर, प्रवीण बडोलिया पार्षद उमा चौधरी वार्ड क्रमांक 10 फूलकुंवर चौरसिया पार्षद वार्ड क्रमांक 11 पूर्व पार्षद कालीचरण चौधरी धर्मदेव

चौरसिया सभी का कार्यक्रम में हुआ आगमन पार्षद उमा चौधरी पति पूर्व पार्षद कालीचरण चौधरी जी के द्वारा 10000 रू.की गणेश जी प्रतिमा कमेटी को भेंट की एवं धर्मदेव चौरसिया जिन्होंने कमेटी को पूजा सामग्री भेंट की कार्यक्रम का आयोजन नवयुवक गणेश उत्सव समिति में अमराडंडी के तत्वधान में हुआ कमेटी के अध्यक्ष आशीष राजभर शनिदेव केवट कोषाध्यक्ष संजय जयसवाल दुर्गेश गोड चंदन पटेल राहुल बिंद सुजल केवट सुमित गुप्ता पंडा राज विंद राहुल पनिका विशाल गोड राजकरण गोड दीपक चौरसिया अतुल चौधरी सभी का विशेष सहयोग रहा।

सब जूनियर स्टेट वॉलीबॉल चैंपियनशिप 25 से 28 तक ग्वालियर में, अनूपपुर से चयनित खिलाड़ियों को जिला बॉलीबॉल एसोसियशन ने दी बधाई

अनूपपुर। मप्र वॉलीवॉल असोसिएशन द्वारा सब जूनियर स्टेट वॉलीबॉल चैंपियनशिप का आयोजन 25 से 28 अगस्त के बीच आईटीएम कॉलेज ग्वालियर में किया गया। जिसमे जैतहरी से ऋषिता सिंह ,रेशमा सिंह ,सुनैना राठौर ,हिमांशु पांडेय बिजुरी से पम्मी पटेल ,रिया केशरवानी।,पूनम पटेल,श्लोक राय सहयोगी के रूप में राखी पटेल एवं रेफरी दिनेश सिंह चंदेल का चयन किया गया था ,इन सभी खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन और चयन पर श्री अभिषेक राजन अतिरिक्तपुलिस अधीक्षक खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी अनूपपुर , जिला बॉलीबॉल एसोसियशन के संरक्षक लक्ष्मण राव ,अरुण कुमार सिंह ,आशीष त्रिपाठी ,पंकज

अग्रवाल ,अध्यक्ष चैतन्य मिश्रा ,कार्यकारी अध्यक्ष सिद्धार्थ शिव सिंह ,रामखेलावन राठौर संघ के संरक्षक मंडल के श्री दिनेश पटेल ,सचिव रामचंद्र यादव,उपाध्यक्ष अमित शुक्ल ,विनोद पांडेय ,सोमनाथ प्रचेता ,विनोद सोनी ,रमेश तिवारी ,कोषाध्यछ प्रदीप यादव ,सह कोषाध्यछ उमेश राय,सह सचिव दिनेश कुमार चंदेल ,मिथलेश सिंह नेताम ,सतेंद्र दुबे ,हरिशंकर यादव ने अनूपपुर नगर की बालिका सृष्टि के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाये प्रेषित की।

ग्राम पंचायत डुंगरिया , जनपद पंचायत ओबेदुल्लागंज जिला रायसेन से नेपाल सिंह अहिरवार जी ने नव निर्वाचित जनपद अध्यक्ष महोदया जी का हार फूलों से स्वागत किया जिस कड़ी में सभी सहायक सचिब उपस्तिथ रहे।

गाडरवारा से लेकर बारहाबडा के रोड की जानलेवा स्थिति को लेकर एसडीएम को देगें ज्ञापन

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल मोबाइल 8878054839

गाडरवारा। जिला नरसिंहपुर बिदित हो गाडरवारा जमाडा बारहा रोड पूर्ण रूप से जर्जर हालत में होने से प्रतिदिन दुर्घटनाएँ घटित हो रही है, बिगत कई दिनों से बिभिन्न संगठनों द्वारा ज्ञापनों के माध्यम से शासन प्रशासन को अवगत कराने के बाद कोई कदम नहीं उठाया है,मजबूर होकर क्षेत्र के छात्र किसान नोजवान एस डी एम गाडरवारा को 6/9/2022दिन मंगलवार को 11बजे शक्तिधाम मंदिर पलोटन गंज गाडरवारा में एकत्रित होकर लगभग1 बजे एस डी एम कार्यालय जाकर रोड निर्माण कराये जाने की मांग करते हुए ज्ञापन सोपेंगे। आदरणीयआपसे विनम्र प्रार्थना है गम्भीर समस्या के निदान में मीडिया द्वारा भी आवाज को शासन प्रसासन तक पहुचाने में मदद करे। आप सादर आमंत्रित हैं।

आओ हम कुछ लिखे और पढ़ें

मिटाने देश का जलवा, यहां गद्दार बैठे हैं।
चुराने चेन हम सबका यहां रंगदार बैठे हैं।
संभल जाओ संभल जाओ, तुम्हें आगाह करते हैं।
करो औलाद की रक्षा, यहां वेओलाद बैठे हैं।

शरीफों के संग में हिंसा, गुनहगारों को है माला।
अमन की बात कर कर के, यहां कोहराम रच डाला।
बांट कर जाती पाती में, यहां नफरत का है मंजर
गिरवी रख दिया है सब वतन कंगाल कर डाला।

यहां पर धर्म के अड्डे बने अय्याश खाने हैं।
बिछा पाखंड की दरिया हुए अपने बेगाने हैं।
बोलती बंद है सबकी नहीं अंकुश लगाते हैं।
बने हैं उन पर हमलावर कोई आवाज उठाते हैं।

बना बैठे हैं चौराहों पर छलक ने जाम मयखाने।
बिगड़ती है दशा उनकी, चले हैं जाम छलकाने।
चलाने देश का जिम्मा, जिन्हें हाथों में देना था।
नशा ने नाश कर डाला, हुये सबमय के दीवाने।

गोपीलाल अहिरवार

हर सम्भव मदद सरकार से दिलवाएंगे- नरेंद्र मरावी पूर्व अध्यक्ष अनुसूचित जनजाति आयोग मध्यप्रदेश

यह समारोह एक जन समारोह था, ना कि कोई राजनीतिक समारोह - नागेंद्र नाथ

राजनगर! अनूपपुर जिले के अंतिम छोर पर कोयलांचल नगरी के नवनिर्मित नगर परिषद बनगवां (राजनगर) में शपथ ग्रहण समारोह किया गया था। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर नरेंद्र मरावी की गरिमामय उपस्थिति रही। एवं विशिष्ट अतिथि के तौर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अनूपपुर नागेंद्र नाथ, पूर्व डिप्टी कलेक्टर रमेश सिंह, श्रमिक नेता कन्हैया सिंह, श्रमिक नेता असरार अहमद सिद्दीकी, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी डी.एस.राव , पूर्व नगर पालिका अनूपपुर के उपाध्यक्ष जीवेन्द्र सिंह प्रवीण सिंह, रविकरण त्रिपाठी, नगर परिषद बनगवां के मुख्य नगर परिषद अधिकारी राजेंद्र कुशवाहा, गिजेश श्रीवास्तव, प्रेमचंद यादव (सांसद प्रतिनिधि एसईसीएल हसदेव क्षेत्र), राजू सिंह, लीलाधर अग्रवाल, भीम सिंह, हरि शंकर दुबे, उपस्थित थे। सर्वप्रथम भारत मां के प्रतिभा को पूजा अर्चना करने के पश्चात कन्या भोज कराया गया। तत्पश्चात राष्ट्रीय गान करवा कर कार्यक्रम का शुरुआत किया गया।

जनसैलाब ने तोड़ा सारा रिकॉर्ड: राजनगर के मधुबन क्लब पर अपार जनसैलाब ने राजनगर के सभी कार्यक्रमों का रिकॉर्ड तोड़ा हजारों की तादात पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष यशवंत सिंह एवं उपाध्यक्ष धनंजय सिंह एवं समस्त पार्षदों को बधाई

देने के लिए जनमानस का हुजूम मधुबन क्लब में पहुंचा। भीड़ के वजह से जनमानस को तीन स्थानों पर अलग अलग किया गया।

जनमानस का किया गया सम्मान: पद ग्रहण समारोह एवं जनमानस समारोह के कार्यक्रम में नगर के वरिष्ठ नागरिक, नारी शक्ति, मीडिया कर्मी, सफाई कर्मी, प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का नगर परिषद के अध्यक्ष यशवंत सिंह एवं उपाध्यक्ष धनंजय सिंह एवं समस्त पार्षदों ने सभी लोगों का साल एवं श्रीफल देकर सम्मान किया गया।

नागेंद्र नाथ सिंह , नरेन्द्र सिंह मरावी ने कहा: पूरे अनुपपुर जिले में किंग मेकर के नाम से मशहूर नागेंद्र नाथ सिंह ने कहा, कि यह एक जन कार्यक्रम रहा है, इस कार्यक्रम का बेवजह राजनीतिकरण करना दुःखद है। नागेंद्र नाथ सिंह ने कहा कि आप किसी भी जनप्रतिनिधि के कार्यो का विरोध कर सकते है। इसकी स्वतंत्रता है। आपको परन्तु जनकार्यक्रमो में आपका हिस्सा लेना एक जिम्मेदारी है। जिसे आपको निभाना ही होगा। इसी प्रकार भाजपा के कद्दावर आदिवासी नेता नरेंद्र मरावी ने कहा है। कि नगर परिषद बनगवां को सरकार से हर सम्भव मदद दिलवाकर सर्वश्रेष्ठ नगर परिषद का दर्जा दिलवाएंगे। क्योंकि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बनगवां, डोला और डूमरकछार नगर परिषदों को गोद लिया हुआ है।

चर्चाओं के बाजार में भाजपा की गुटबाजी नजर आ रही: चौक चौराहों में यह चर्चा व्याप्त है कि भाजपा के दिग्गज आदिवासी नेता एवं सांसद शहडोल हिमाद्री सिंह के पति की मौजूदगी के बावजूद भाजपा पार्षदों एवं नेताओ में इस जनकार्यक्रम से किनारा किया है जिसकी वजह से भाजपा के अंदरूनी गुटबाजी को बड़े मजे से लोग चौक चौराहों पर चर्चाओं के बाजार मे गर्म किए हुए है।

शिक्षक,शिक्षा के दीप जलाते हैं ??

नौनिहालों को ज्ञानवान
बनाते हैं,
शिक्षक-शिक्षा के दीप
जलाते हैं,
माता-पिता जन्मदाता है
शिक्षा अर्जन करने
विद्यालय भेजते हैं,
अबोध बालक -बालिकाएं
कोरा कागज रहते हैं,
शिक्षक के सानिध्य में सब
ज्ञान सीख जाते हैं,
शिक्षक -शिक्षा के दीप
जलाते हैं,
नौनिहालों को ज्ञानवान
बनाते हैं,
शिक्षा बहुमूल्य पुंजी है
शिक्षक उसकी कुंजी है
शिक्षा के बल पर ही
इंसा ने सब कुछ ढुंढी है।
शिक्षक -शिक्षक रह जाता है
छात्रों को बनाकर भारत रत्न
वे एक इतिहास रच जाते हैं
शिक्षक -शिक्षा के दीप
जलाते हैं,
नौनिहालों को ज्ञानवान
बनाते हैं,
उंचा है शिक्षक का दर्जा
माता -पिता के बाद
भविष्य गढता है शिक्षक
जीवन करता है आबाद
ता उम्र सब करते हैं
शिक्षको का धन्यवाद
अंधकार से प्रकाश की ओर
शिक्षक ही ले जाते हैं
शिक्षक -शिक्षा के दीप
जलाते हैं,
नौनिहालों को ज्ञानवान वे
बनाते हैं,,

-हरीश पांडल
विचार क्रांति
छत्तीसगढ़

इतिहास में जिन्हें दबा दिया वह बहुजन वीर मनीराम अहिरवार थे

वह थे परम हितैषी हितैषी,
दलितों के जुल्म पर लडते थे।
भारत को आजाद कराने,
कुर्बान हो जाने से न डर डरे थे।।
म. प्र. के जिला नरसिंहपुर में,
पवित्र नगरी चीचली बस्ती है।
गोंडवाना महल की रक्षा करना,
तैनाती में थे मनीराम बलशाली है।।
होगा सज्जनों सभी को ज्ञात,
अंग्रेजी शासन का राज कैसा था।
उन दिनों दलितों पर तो,
अत्याचारों का माहौल छाया था।।
मनीराम जी से बेगारी करवाने,
अंग्रेज नादान क्यों सोचते थे।
वह तो दलितों के हमदर्द,

किसी की गुलामी न करते थे।।
नौ अगस्त उन्नीस सौ बयालीस में,
अंग्रेजों भारत छोड़ो का नारा था।
करो - मरो के नारे का सबने,
मनीराम संघर्ष युद्ध का ढाना था।।
अंग्रेज गोंड महल सूना देख के,
आकर कब्जा जमाना चाहते थे।
उन विदेशी सैनिकों को मार खदेड़ा,
वह आजादी के दीवाने मनीराम थे।।

= रचनाकार =
मूलचन्द मेधोनिया (शहीद सुपौत्र)
अमर शहीद वीर मनीराम जी
चीचली जिला नरसिंहपुर मोबाइल
8878054839

कामगारों की समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा 13 सिंतबर को कांग्रेस कामगार कर्मचारी कलेक्ट्रेट को घेरेंगे

मूलचन्द मेधोनिया सहसंपादक कबीर मिशन समाचार पत्र भोपाल मोबाइल 8878054839

छिंदवाड़ा। असंगठित कामगार कर्मचारी कांग्रेस के अध्यक्ष वासुदेव शर्मा की अगुआई में स्कूलों में पदस्थ सैकडों भृत्यों ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर वेतन विसंगति दूर कर न्यूनतम वेतन एवं नियमितीकरण की मांग को लेकर कलेक्टर को मांगपत्र दिया गया। प्रदर्शन के दौरान 13 सितंबर को बडी संख्या में विधानसभा घेराव में शामिल होने का ऐलान किया। इस दौरान जयकुमार डेहरिया, विनोद सल्लाम, संदीप सिंगोतिया, श्रीमती संत कुमारी डेहरिया, आशा डेहरिया, रामदीन कहार, प्रमोद शर्मा, राजकुमार कहार, जगदीश नागवंशी, जमुना साहू, मस्तराम बडकडे, सुरेश पवार, जीत लाल कुमरे, वीरेंद्र कहार, नितेश डेहरिया, प्रकाश अहिरवार, श्याम सिगोतिया सहित बडी संख्या में लघु वेतन कर्मचारी शामिल रहे, जिन्होंने इंदिरा तिराहे पर धरना दिया और जुलूस की शक्ल में अंशकालीन कर्मचारी कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां दो घंटे तक जोरदार

नारेबाजी की गई प्रदर्शन को संबोधित करते हुए वासुदेव शर्मा ने कहा जनजातीय एवं स्कूल शिक्षा विभाग में काम करने वाले भृत्य भुखमरी के `तन पर काम करने को मजबूर है, जिन्हें 4 से 6 हजार तक वेतन मिलता है, विभाग कलेक्ट्रेट दर पर भुगतान नहीं कर रहे है, जबकि कानून सभी भृत्य को कलेक्ट्रेट दर पर वेतन पाने का अधिकार देता हैं। शर्मा ने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग में अंशकालीन भृत्यों की नियुक्ति शिक्षाकर्मियों के साथ एक ही भर्ती नीति के तहत हुई थी, शिक्षाकर्मी तो नियमित हो गए लेकिन अंशकालीन भृत्य अब भी 5000 रूपए में काम कर रहे हैं, चिंताजनक बात तो यह है कि इन्हें नियमित करना तो दूर कभी कलेक्टर द्वारा घोषित न्यूनतम वेतन तक नहीं मिला। कर्मचारी वर्ग के सबसे निचले पायदान के इन भृत्यों के साथ कलेक्ट्रेट से लेकर स्कूल तक में अन्याय हो रहा है और अधिकारी तमाशबीन बने हुए हैं। शर्मा ने कहा कि जिले के भृत्यों ने 20-22 साल में कलेक्ट्रेट में सैकडों आवेदन देकर शासन प्रशासन का ध्यान खींचने की कोशिश की हैं, लेकिन अधिकारियों ने उनके मांगपत्र तक नहीं पढे, जिस कारण अन्याय जारी है। भृत्यों के साथ जानबूझकर अन्याय इसलिए किया गया कि वे गरीब एवं कम पढे लिखें हैं, इस आधार पर विभाग के संबंधित अधिकारियों द्वारा अन्याय किया जाना चिंता की बात है। शर्मा ने कहा कि आदिम जाति विभाग के स्कूलों के कुछ अंशकालीन भृत्यों को नियमित कर विभाग का चतुर्थ श्रेणी का कर्मचारी भी बनाया गया है, लेकिन यह चुन चुनकर हुआ जबकि सभी को नियमित करने का आदेश था। शर्मा उपस्थित भृत्यों को एकजुट होकर अपने हक के लिए लडने का आव्वान किया, ऐसा करने से ही आपके साथ न्याय होगा।

ग्राम पंचायतों में लगे शिविर, प्राप्त हुए आवेदन हुई सुनवाई

जन कल्याण शिविरों में दी गई योजनाओं की जानकारी

शहडोल। कलेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य के मार्गदर्शन एवं निर्देशन आज जिले के समस्त विकासखण्डों के ग्राम पंचायतों में मध्यप्रदेश शासन द्वारा चलाए जा रहे जन कल्याणकारी योजनाओ का लाभ लोंगो को दिलाने के उददेश्य से ग्राम पंचायतों में जन कल्याण शिविरों का आयोजन किया गया। शिविरों में मैदानी अधिकारियों द्वारा हितग्राही मूलक योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी लोगों को दी गई साथ ही प्राप्त हुए आवेदन पेंशन प्रकरण, वृद्धा पेंशन, संबल योजना, आयुष्मान कार्ड़ योजना इत्यादि प्रकरणों के आवेदन लोगों द्वारा दिये गए और आवेदनों पर सुनवाई की गई। शिविर में लोगों द्वारा दिए गए आवेदनो के निराकरण यथासंभव किये गए। जन कल्याण शिविर में आए हुए लोगों का आयुष्मान कार्ड भी बनाया गया। इसी कड़ी में आज ग्राम सगरा, कठौतिया, मंजीरा, जमुनिहा, आदि गांवों में कल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक करने और योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु जन कल्याण शिविरो का आयोजन किया गया। साथ ही कोविड-19 महामारी से बचावं हेतु पात्र लोगों को वैक्सीनेशन भी कराया गया।

मुख्य महाप्रबंधक यू.टी.कंजरकर के मुख्य आतिथ्य में होगा नगर परिषद बनगवां का पद ग्रहण समारोह

जन आभार समारोह में अधिक से अधिक नागरिक पहुँचे- यशवंत सिंह

राजनगर। अनुपपुर जिले के अंतिम छोर की नवगठित नगर परिषद के नवनिर्वाचित पार्षद एवं अध्यक्ष यशवंत सिंह,उपाध्यक्ष धनंजय सिंह, तथा सभी पार्षदों का पद ग्रहण एवं जन आभार समारोह का आयोजन 6 सितंबर 2022 को दोपहर 1ः00 बजे से मधुबन क्लब राजनगर में आयोजित किया गया है। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य,यू.टी.कंजरकर, मुख्य महाप्रबंधक एसईसीएल हसदेव क्षेत्र, विशिष्ट अतिथि सुनील सराफ विधायक कोतमा,नरेंद्र मरावी पूर्व अध्यक्ष अनुसूचित जनजाति आयोग मध्यप्रदेश, नागेंद्र नाथ सिंह पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अनुपपुर, रामकुमार तिवारी, कन्हैया सिंह, असरार अहमद सिद्धकी, नवनिर्वाचित नवनिर्वाचित पार्षद को शुभकामनाएं देते हुए उनक भविष्य की कामना की है। नगर परिषद बनगवां के नवनिर्वाचित अध्यक्ष यशवंत सिंह ने क्षेत्र की जनता से इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है।जिससे कि कार्यक्रम को सफल बनाया जा सके और नगर परिषद बनगवां के समस्त मतदाताओं,नागरिकों का जन आभार समारोह के माध्यम से आभार व्यक्त किया जा सके।

नागरिकों के द्वारा करअदा किया जाना जिम्मेदारी है तो सीएमओ की क्या जवाबदारी हैः मुकेश अहिरवार

नरसिंहगढ़। जिला राजगढ़ शिक्षा वह शेरनी का दूध है जो पियेगा वह देगा नगर पालिका में निवासरत जागरूक करदाता कृपया ध्यान दें नागरिकों के दायित्व और नगरी निकाय की जिम्मेदारियां नगरपालिका अधिनियम 1961 के अंतर्गत नगर निकाय की सीमा में निवासरत नागरिकों के द्वारा पांच प्रकार के शुल्क दिए जाना अनिवार्य है

1,,भवन शुल्क
2 भूमि शुल्क
3 हॉट बाजार बैठक शुल्क
4 जल शुल्क

5 नगरनिकाय की शासकीय दुकाने पगड़ी पर दिए जाने के बाद हर महीना किराएया लिया जाता है यह भी शुल्क की श्रेणी में आता है यह पांच प्रकार के शुल्क नगर के नागरिकों के द्वारा नगरी निकाय को अनिवार्य रूप से दिया जाता है किंतु नगरपालिका अधिनियम 1961 के अंतर्गत नगरीय निकाय अपनी सीमा में निवासरत नागरिकों को कितने प्रकार की सुख सुविधा उपलब्ध कराती है इस बिंदु पर विचार होना चाहिए नगर निकायों की यह नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह नगर निकाय की सीमा में निवासरत अपने नागरिकों को कितने प्रकार की सुख सुविधाओं है उन सभी सुख-सुविधाओं से निकाय अपने नागरिकों को अवगत कराते हुए अपने स्वयं के

नोटिस बोर्ड पर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रिंट मीडिया और सोशल मीडिया एवं लिखित दस्तावेज के साथ उन सभी सुख-सुविधाओं से अपने नागरिकों को अवगत कराना चाहिए जिससे कि नागरिक यह स्वयं जान सके कि उनके द्वारा दिए गए शुल्क के बाद उन्हें कितने प्रकार की सुख सुविधाए उनकी नगरी निकाय उपलब्ध कराती है विचार मंथन योग्य है नगर निकाय को किसी भी स्तर के कर्मचारियों की आवश्यकता होने पर संबंधित नगरी निकाय के वरिष्ठ कार्यालय और मध्य प्रदेश सरकार को नगरीय निकाय की सीमा में निवासरत नागरिक के द्वारा पांच प्रकार के शुल्क दाताओ या उनके बच्चों को ही प्राथमिकता के तौर पर कर्मचारी के रूप में भर्ती किया जाना चाहिए क्योंकि इन नौकरियों पर करदाता और करदाता के सगे संबंधियों का ही अधिकार है

विचार मंथन योग्य है

किंतु नगरी निकाय अपनी सीमा में निवासरत नागरिकों की भर्ती ना करते हुए नगरी निकाय की सीमा से बाहर के ग्रामीण क्षेत्र या अन्य शहरों से कर्मचारियों की भर्ती की जाती है यह नगर निकाय के करदाताओं के साथ एक छलावा और धोखा है नगरी निकाय की सीमा में निवासरत नागरिकों के पास कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज हैं जो इस बात की पुष्टि करते हैं कि यह नागरिक नगर निकाय के मूल नागरिक हैं

1,, आधार कार्ड,,2 वोटर कार्ड,,3 परिवार आईडी और राशन कार्ड,,4 बैंक पासबुक ड्राइविंग लाइसेंस,,5 नगरी निकाय विधानसभा और लोकसभा की मतदाता सूची में संबंधित व्यक्ति का नाम होना,,6 संबंधित नगर निकाय के संपत्ति कर शाखा के रजिस्टर मैं भवन और भूमि का संबंधित रजिस्टर के रिकॉर्ड में दर्ज होना इस बात का पक्का प्रमाण है कि वह इस नगर का नागरिक है और इससे भी महत्वपूर्ण दस्तावेज संपत्ति कर जमा किए जाने के पश्चात संबंधित शाखा प्रभारी के द्वारा संपत्ति कर जमा किए जाने के बाद रसीद दिए जाना यह इस बात की पुष्टि करता है।

भारत में सामाजिक न्याय की व्यवस्था में अभूतपूर्व योगदान- सावित्रीबाई फुले

4 सितंबर शिक्षक दिवस शिक्षक का पद सबसे बड़ा सम्मानजनक पद होता है

भारत में आजादी के बाद आज सामाजिक न्याय की व्यवस्था बनाए रखने के लिए संविधान और उसके द्वारा प्रदान किए गए हक अधिकार और कानून की एक अहम भूमिका रही जिसके परिणाम वर्तमान स्थिति में देखने को मिल रहे हैं भारत के हर स्कूल कॉलेजों विश्वविद्यालयों मेडिकल कॉलेजों में सभी समान रूप से शिक्षा और अवसर की समानता का अधिकार समान रूप से पा रहे हैं

भारत में सामाजिक न्याय की व्यवस्था की विचारक और महा योद्धाओं में सावित्रीबाई फुले जी का महत्वपूर्ण स्थान रहा है

माता सावित्रीबाई फुले जी का जीवन परिचय

सावित्रीबाई फुले बाय महिला जिनकी सहायता से भारत में स्त्रियों के लिए विद्यालय की स्थापना हुई. सावित्रीबाई फुले ने लड़कियों और समाज के बहिष्कृत हिस्सों के लोगों को शिक्षा प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभाई. वह भारत की पहली महिला अध्यापिका बनीं (1848) और उन्होंने अपने पति ज्योतिराव फुले के साथ मिलकर लड़कियों के लिए एक विद्यालय खोला. इसके बाद उन्होंने बेसहारा स्त्रियों के लिए एक आश्रय स्थल की स्थापना (1864) की और सभी वर्गों की समानता के लिए संघर्ष करने वाले ज्योतिराव फुले के धर्मसुधारक संस्थान सत्यशोधक समाज (1873) का विकास करने में अहम भूमिका निभाई.उनके जीवन को भारत में स्त्रियों के अधिकारों का प्रकाश स्तंभ माना जाता है. उन्हें अक्सर भारतीय नारी आंदोलन की जननी के रूप में जाना जाता है. सावित्रीबाई का जन्म भारत के महाराष्ट्र राज्य के छोटे से गांव नायगांव में हुआ. सावित्रीबाई बचपन से ही बहुत जिज्ञासु और महत्वाकांक्षी थीं. 1840 में नौ साल की उम्र में सावित्रीबाई का विवाह ज्योतिराव फुले से हुआ और वह बलिका वधु बनीं. इसके बाद वह जल्द ही उनके साथ पुणे चली गईं. सावित्रीबाई के लिए उनकी सबसे बहुमूल्य चीज़ उन्हें एक ईसाई धर्मप्रचारक द्वारा दी गई पुस्तक थी. उनके सीखने की चाह से प्रभावित होकर ज्योतिराव फुले ने सावित्रीबाई को पढ़ना-लिखना सिखाया. सावित्रीबाई ने अहमदनगर और पुणे में शिक्षक बनने का प्रशिक्षण लिया. वह 1847 में अपनी चौथी परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद एक योग्य शिक्षक बनीं .

उनकी यात्रा आसान नहीं थी. विद्यालय जाते समय उन्हें गालियां दी जाती थीं और उन पर गोबर फेंका जाता था. लेकिन सावित्रीबाई बस अपने साथ हर रोज़ जो अतिरिक्त साड़ी लेकर आती थीं, उसे पहनकर अपने मार्ग पर आगे बढ़ जाती थीं.

भारत में विधवाओं की दुर्दशा से सहानुभूति रखते हुए सावित्रीबाई ने 1854 में उनके लिए आश्रय स्थल खोला. वर्षों तक निरंतर सुधार करने के बाद, उन्होंने 1864 में परिवार से निकाली गई बेसहारा स्त्रियों, विधवाओं और बालिका वधुओं के लिए एक बड़े आश्रय स्थल के निर्माण की राह प्रशस्त की. उन्होंने उन सभी को शिक्षित किया. उन्होंने इस संस्थान में आश्रय लेने वाली एक विधवा के बेटे, यशवंतराव को भी गोद लिया.

दलित वर्गों को गांव के सार्वजनिक कुएं से पानी पीने की मनाही थी. ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने उनके पानी पीने के लिए अपने घर के पिछवाड़े में एक कुआं खोदा. इस कदम से 1868 में लोगों में आक्रोश उत्पन्न हो गया.

1890 में ज्योतिराव का निधन हो गया. सभी सामाजिक नियमों की अवहेलना करते हुए उन्होंने उनकी चिता को अग्नि दी. उन्होंने ज्योतिराव की विरासत को आगे बढ़ाया और सत्यशोधक समाज का पदभार संभाल लिया.

शिकार हो ई. 10 मार्च 1897 को सावित्रीबाई फुले का निधन हो गया. उनका जीवन और कार्य भारतीय समाज में सामाजिक सुधार और महिला सशक्तिकरण का साक्षी है. वह आधुनिक युग में अनेक महिला अधिकार कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा बनी हुई हैं.

राष्ट्र निर्माण में सावित्रीबाई फुले जी की भूमिका

किसी भी देश या राष्ट्र का निर्माण उस देश के नागरिकों की आर्थिक स्थिति और सामाजिक स्थिति और राजनीतिक स्थिति का समायोजन किए बगैर नहीं किया जा सकता राष्ट्र को चलाने के लिए डॉक्टर इंजीनियर शिक्षक उद्योगपति सुशिक्षित राजनेता और जागरूक नागरिक और पत्रकारों न्यूज़ चैनलों की जरूरत पड़ती है यह सब नौकरियां पद और व्यवसाय को शुरू करने के लिए सबसे पहले शिक्षा की बहुत अधिक आवश्यकता होती है और शिक्षा से ही एक स्वस्थ लोकतंत्र और राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है संविधान निर्माता डॉ बाबासाहेब आंबेडकर ने कहा था की शिक्षा बस शेरनी का दूध है जो पियेगा वही दहाड़े गा वर्तमान 21वीं सदी में हर एक वर्ग शिक्षित होकर अपने हक अधिकारों और महिलाओं के मान सम्मान के लिए सड़कों पर आ रहा है तो इन सबका श्रेय भारत देश की पहली शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले को जाता है और उनका राष्ट्र निर्माण में बहुत बड़ा योगदान रहा है शिक्षा के क्षेत्र में और समाज सेवा के क्षेत्र में

लेखक
राजेश अहिरवार
युवा प्रदेश बदलते भारत की तस्वीर जिला संपादक

लड़की हूं मैं

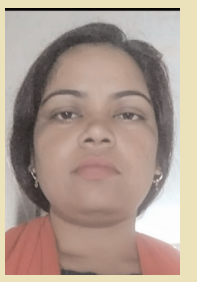

कुछ माने जो लड़की जनी,
घर उनके लक्ष्मी आई,,
जब मैं जनी गई,
छूत की उपाधि पाई!

निशदिन ताना कसते हैं,
अबला तू क्या कर पाएगी,,
जनक-भ्राता पर बोझ बने रह जाएगी!

विवश होकर मैं यह प्रतिज्ञा करती हूँ,
पुरुष प्रधान समाज को शक्ति अपनी दिखलाऊँ,,
बारंबार दोहराती हूँ!

क्या जाने कोई लड़की क्या कर सकती है,
अरे लड़की की तूफ़ाँ में अडिग रह सकती है,,
आसूँ पान कर सकती है लड़की, पीड़ा सहन कर सकती है लड़की,,
माना हृदय कोमल है पर कठोरता झेल सकती है लड़की!

पुरुष इठलाता है अपने बाहुबल पर,
क्यों भूलता है लोहा मनवा सकती है लड़की,,

तुझे जनने वाली भी तो एक लड़की थी,
पाल पोष बढ़ाने वाली भी एक लड़की थी,,

गर स्तनपान माँ का ना किया होता,
ना जाने तेरा स्वर्ग कहां होता,,

सृष्टि की अद्वितीय सृजन लड़की हूँ मैं,
त्याग परिश्रम की जननी हूँ मैं,,

मुझसे हर घर रौनक आई,
गर्व करती हूँ की लड़की हूँ मैं!
गर्व करती हूँ कि लड़की हूं मैं!!

अमृता मिलन
कोरबा, छत्तीसगढ़

मां कहती थी , घर जल्दी आना

भूख लगे तो खाना खा लेना
बड़ो का सम्मान और छोटो से प्यार करना ।
मां कहती थी , गाड़ी धीरे चलाया कर।
जिंदगी बहुत खूबसूरत है , खुशी से जिया कर।
लड़ाई मत करना किसी से , गुस्सा आ जाए तो चुप हो जाना।
दोस्ती में हमउम्र का प्यार रखना ।
पढ़ाई करते थक गई तो थोड़ी देर खेल लेना ।।
मां कहती थी , घर जल्दी आना
भूख लगे तो खाना खा लेना।।

-

वैशाली नारनवरे, छिदवाड़ा

आजाद समाज पार्टी जिला सागर अध्यक्ष बने-कमलेश अहिरवार

4 सितंबर को जिला सागर के कजली वन मैदान में एससी एसटी ओबीसी महापंचायत के मुख्य अतिथि भीम आर्मी राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय रतन जी का सागर आगमन हुआ और बंडा की बेटी को न्याय दिलाने के लिए और बहुजनों पर हो रहे अन्य अत्याचारों के विरुद्ध उन्हें पंचायत मैं अपनी बात रखी ।उन्होंने समस्त कार्यकर्ताओं से बातचीत की संगठन और पार्टी से संबंधित समस्त मुद्दों पर अपनी बात रखी और समस्त कार्यकर्ताओं की कार्यों का जायजा लिया और भीम आर्मी एवं आजाद समाज पार्टी की राष्ट्रीय कोर कमेटी और मध्य प्रदेश कोर कमेटी की संयुक्त सहमति से सागर के कमलेश अहिरवार जी को जिला अध्यक्ष घोषित किया गया इसी बीच भीम आर्मी राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय विनय रतन जी और आजाद समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील अस्ते जी, भीम आर्मी प्रदेश अध्यक्ष सुनील बैरसिया जी, भीम आर्मी सागर संभाग सागर जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र अहिरवार जी, भीम आर्मी जिला प्रभारी नरेंद्र सिंह सूर्यवंशी जी, भीम आर्मी जिला महामंत्री राजेश अहिरवार जी ,भीम आर्मी जिला महामंत्री पूरन अहिरवार, जिला सचिव संजय सूर्यवंशी जी,जिला उपाध्यक्ष सचिन (पप्पू) अहिरवार और भीम आर्मी नगर अध्यक्ष अर्जुन अहिरवार और नगर वरिष्ठ सलाहकार जीवन अहिरवार खुरई विधानसभा अध्यक्ष सूरज बौद्ध देवरी विधानसभा अध्यक्ष चंद्रेश चौधरी केसली ब्लॉक अध्यक्ष कामता प्रसाद सूर्यवंशी जी केसली ब्लॉक उपाध्यक्ष शिवराज बंसल, नरयावली विधानसभा अध्यक्ष गौरी शंकर आजाद जी राहतगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष संतोष आजाद जी आजाद समाज पार्टी के नगर अध्यक्ष सचिन राही और चंद्रेश चौधरी, रितिक,अजय ,सचिन बलराम अहिरवार एवं भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी के समस्त ब्लॉकों ,तहसीलों विधानसभा नगर के समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। नवनियुक्त सागर जिला अध्यक्ष कमलेश अहिरवार ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा भीम आर्मी के संस्थापक एवं आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय चंद्रशेखर आजाद जी और भीम आर्मी राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय विनय रतन जी और प्रदेश अध्यक्ष सुनील अस्ते जी और सुनील बैरसिया जी और भीम आर्मी जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र अहिरवार जिला प्रभारी नरेंद्र सिंह सूर्यवंशी जी इन तमाम लोगों का मैं बहुत बहुत आभार व्यक्त करता हूं और पार्टी के अनुशासन में रहते हुए पार्टी की विचारधारा को जन जन तक पहुंचाने का काम करूंगा एवं पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के आदेश अनुसार ही कार्य करूंगा और उन्होंने कहा कि मैं आज यह संकल्प लेता हूं कि मैं आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) की विचारधारा बहुजन हिताय बहुजन-सुखाय की विचारधारा को जिले के हर ब्लॉक तहसील गांव नगरों पहुंचाने के लिए जीवन के आखिरी सांस तक संघर्ष करूंगा

मुख्यमंत्री चौहान ने पूर्व विधायक श्री तिवारी के अनुज के निधन पर शोक व्यक्त किया

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सतना प्रवास के दौरान पूर्व विधायक श्री शंकरलाल तिवारी के निवास पहुँच कर उनके दिवंगत अनुज स्व. श्री लखनलाल तिवारी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से शोक संतृप्त परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। खजुराहो सांसद श्री वी.डी. शर्मा, जिले के प्रभारी मंत्री एवं वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, राज्य मंत्री श्री रामखेलावन पटेल, महापौर श्री योगेश ताम्रकार, श्री राजेश चतुर्वेदी एवं जिलाध्यक्ष नरेन्द्र त्रिपाठी उपस्थित रहे।

संपादकीय

अतिवृष्टि ने खोल दी भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन की पोल

ना खाऊंगा और ना खाने दूंगा, देश के प्रधानमंत्री का मूलमंत्र बताया जाता है। वहीं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री भी इसी राह पर आगे-आगे चलने की बात कर रहे हैं। वे भी इसी तर्ज पर बयान देते रहते हैं। जीरो टालरेंस का उन्होंने भी अपना मूलमंत्र बना रखा है, लेकिन इतना सब होने के बाद भी इसका असर जमीनी स्तर पर कहीं भी नजर नहीं आ रहा है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन का दावा और वायदा जमीन पर नहीं उतर पा रहा है। प्रदेश में तो जीरो टालरेंस की तस्वीर पर भ्रष्टाचार की धूल जम गई है। सरकार लाख दावे करे कि हमने प्रदेश की जनता को भ्रष्टाचार से मुक्ति दिला दी है या दिलाने के सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। लेकिन सच्चाई इसके विपरीत है। भ्रष्टाचार से प्रदेश का कोई भी विभाग अछूता नहीं है। भ्रष्टाचार की बीमारी हर विभाग में लगी हुई है, जिसका प्रभाव प्रदेश सरकार की योजना और परियोजना पर दिखाई दे रहा है। सरकार जनहित की योजनाएं बनाकर करोड़ों रुपए खर्च तो कर रही है लेकिन इसका लाभ आम जनता तक नहीं पहुंच पा रहा है। यह यक्ष प्रश्न है जिसका जवाब सत्ता और सरकार दोनों के पास नहीं है। इसकी बानगी प्रदेश में हुई अतिवृष्टि में नजर आ रही है। अतिवृष्टि के चलते प्रदेश में नवनिर्मित बांध कारम डेम ने भ्रष्टाचार की पोल खोलकर रख दी है। यह अकेला एक मामला नहीं है ऐसे आधा दर्जन बांध हैं जो क्षतिग्रस्त हुए हैं। सबसे ज्यादा खराब स्थिति प्रदेश की सड़कों की है। कई पुल-पुलियाएं क्षतिग्रस्त हो गए हैं तो कुछ टूट गए। सड़कें तालाबों में तब्दील हो गई। अब अफसर अतिवृष्टि की ढाल बनाकर अपना बचाव करने में लगे हुए हैं और सरकार भी उनके इस तर्क का समर्थन कर रही है। जबकि वास्तविकता कुछ और ही है। बांध और सड़कों की दुर्दशा का कारण अतिवृष्टि हो सकता है लेकिन इतनी खराब स्थिति सिर्फ अतिवृष्टि के कारण हुई है इसमें पूरी सच्चाई नहीं है। यदि सिर्फ बरसात से ही सड़क खराब होती तो फिर जिन देशों में आठ माह बारिश होती होगी वहां सड़क नहीं बनती होगी। बांध और सड़कों के क्षतिग्रस्त होने का कारण भ्रष्टाचार है जिससे सरकार में बैठे नुमाइंदे जानते तो हैं लेकिन मानते नहीं हैं। निर्माण विभाग में जिन यंत्रियों की पदस्थापना कैसे और किस स्थिति में होती है। यह बात मुख्यमंत्री, मंत्री एवं शीर्ष स्तर पर बैठे सभी अधिकारियों को मालूम ही नहीं, वे उसमें बराबर के सहभागी भी हैं। वर्तमान में स्थिति यह है कि फील्ड में पदस्थापना पाने के लिए क्या-क्या नहीं करना पड़ता है और फिर जब पदस्थापना और तबादले में लक्ष्मी आचमन का खेल होगा तो उसका असर भी जमीनी स्तर पर दिखेगा और दिख भी रहा है। फिर सिर्फ फील्ड के अफसर पर दोष मढ़ना ठीक नहीं है, अगर व्यवस्था को दुरस्त करना है तो पहले इसे ऊपर से साफ करना होगा नीचे सब ठीक अपने आप होगा, मगर ऐसा संभव नहीं है। दावे और वादे कुछ भी करो।

नीट यूजी में इंदौर की सानिका अग्रवाल रहीं प्रदेश टापर

इंदौर। नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) यूजी के परिणाम बुधवार रात नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने जारी किए। इंदौर की सानिका अग्रवाल ने इसमें आल इंडिया 29वीं रैंक प्राप्त की। प्रदेश में भी सानिका नीट यूजी में पहले पायदान पर हैं। छात्रा श्रेणी में सानिका को आल इंडिया 12वीं रैंक मिली है। सानिका का सपना देश के सबसे टाप मेडिकल कालेज में प्रवेश लेना था। वे दिल्ली एम्स से शिक्षा प्राप्त करना चाहती हैं। सानिका ने बताया कि दो वर्ष से मेडिकल परीक्षा की पढ़ाई कर रही थी। कोरोना महामारी के कारण तैयारी आनलाइन माध्यम से करनी पड़ी। इसमें कई तरह की परेशानी आई। सानिका समाजसेवा करना चाहती हैं, इसलिए मेडिकल क्षेत्र को चुना। पिता सपनेश अग्रवाल साफ्टवेयर इंजीनियर हैं और माता सोनल अग्रवाल गृहणी हैं। परिवार में छोटा भाई सानिध्य अग्रवाल है।

सानिका ने बताया कि माता एमएससी कर चुकी हैं और उनसे परीक्षा की तैयारी में काफी मदद मिली। वे डाक्टर बनकर देश की सेवा करना चाहती हैं। परिणाम के साथ उत्तर कुंजी भी जारी - सानिका का कहना है कि इस समय ज्यादातर विद्यार्थी आइटी क्षेत्र की ओर जा रहे हैं, लेकिन मैं अपने जीवन का ज्यादातर समय कंप्यूटर के सामने बैठकर नहीं बिताना चाहती। मैं समाज की सेवा करना चाहती हूं, इसलिए डाक्टर बनने की इच्छा मन में है। नीट यूजी की परीक्षा 17 जुलाई को आयोजित की गई थी। परिणाम के साथ एनटीए ने उत्तर कुंजी भी जारी की है। इस साल नीट में देशभर से 18 लाख 72 हजार विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया था। इसमें से 17 लाख 64 हजार विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे। इनमें से 9 लाख 93 विद्यार्थी पास हुए हैं। इसमें से 2 लाख 82 अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थी हैं। 4 लाख 47 हजार ओबीसी, एक लाख 31 हजार एससी, 47 हजार एसटी और 84 हजार ईडब्ल्यूएस कैटेगरी के हैं।

सावधान ! अब रोटी के निवाले भी संकट में

आंदोलनरत किसानों की कड़ी मेहनत के बावजूद गेहूं का जो बम्फर स्टाक हुआ था वह भारत सरकार की अदूरदर्शिता की वजह से उन देशों को भेजा गया जो युद्धरत यूक्रेन और रूस से आयात करने वाले प्रभावित देश थे। ऊंचे दामों की ललक और प्रशंसा की चाहत ने देश के गरीबों की रोटी छीनने की पूरी व्यवस्था कर दी है। एफ सी आई गोदामों में जमा स्टाक भी लगभग खत्म कर दिया गया है जो वक्त पड़ने पर गरीबों के काम आ जाता था। प्राकृतिक आपदा में भी यह अनाज काम आता था।आज वे किसान भी मंहगा अनाज खरीदने मज़बूरी है जिनके पास पर्याप्त भंडारण की सुविधा नहीं है। उधर मोदी सरकार की बदौलत लगभग 80 करोड़ लोग जो शासन के आंकड़ों के अनुसार लगभग मुफ्त राशन पा रहे थे उन्हें अब गेहूं नहीं चावल दिया जाने लगा। गोदामों के खाली होने से राशन व्यवस्था भी ध्वस्त हो सकती है।इस लोकलुभावन चुनावी ऐलान ने भी गेहूं गोदामों को खाली किया।जबकि प्रारंभ यह व्यवस्था सिर्फ कोरोनावायरस से प्रभावित परिवारों के लिए आंशिक तौर पर की गई थी।आपदा का फायदा उठाकर इसे चुनाव तक जबरिया किया गया। यह भी सरकार की चूक ही कहीं जायेगी।

विदित हो मार्च में गेहूं का जो निर्यात हुआ वह लगभग 70लाख टन था। अप्रेल में 14लाख टन और निर्यात किया गया।यह पिछले वर्षों की तुलना में 215 प्रतिशत से ज्यादा है। मई में जब सरकार को होश आया तब तक बहुत देर हो चुकी थी।अब कहा ये जा रहा है कि भारत से गेहूं,मैदा,सूजी ,आटे जैसे समस्त उत्पादों के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया जा रहा है।ज्ञातव्य हो पहले मई 22 में गेहूं की भारी कमी के कारण इसके निर्यात पर प्रतिबंध लगाया गया और 27अगस्त से मैदा,सूजी और आटे पर प्रतिबंध की नौबत आ गई।सर्वनाश के बाद ये प्रतिबंध कोई मायने नहीं रखता है। सरकार गेहूं आयात की भी योजना बना रही है।इसे ही अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारना कहा जाता है।सरकार अपनी इस बड़ी गलती से मिली फजीहत को छुपाने के लिए गेहूं की कमी की वजह मार्च में तेज गर्मी होना बता रही है उसका कहना है कि तेज गर्मी से दाना कमजोर रहा और जल्दी सूख गया। जिससे उत्पादन घट गया।जबकि सरकारी अनुमान 111 मीट्रिक टन का? था जबकि गेहूं का उत्पादन हुआ 105 मीट्रिक टन। कुल 6 मीट्रिक टन की कमी। वर्तमान स्थिति भारत सरकार के पास जो अल्प स्टाक है वह आज़ाद भारत में पहली बार इतना कम है।ऐसी अदूरदर्शी सरकार की बदौलत आज रोटी का निवाला भी मुश्किल हो रहा है।जो गेहूं पिछले साल 20 से 25 किलो मिला वह अभी 30 से 35? मिल रहा है।अभी गेहूं की आगत फसल बाजार में आने लगभग सात महीने बाकी है। तब तक यह दाम बढ़ा ही है। इंतज़ार करिए जन्हीं किसानों की मेहनत से उत्पन्न अनाज का।ये वही किसान हैं जिन पर हमारी नज़रें टिकी है जिन्होंने अडानी की गोदामों में अनाज भरने से रोकने और उचित गेहूं खरीदी के लिए अपने 700किसान साथी खोकर भी अनाज उगाया।पूरे 370 दिन ठंड ,गर्मी और बरसात के बीच गुजारे। सरकार ने किसानों को परेशान करने की नीयत से इस साल कम अनाज भी खरीदा। लेकिन दूसरे रास्ते आए अनाज को विदेशों में भेजकर मुनाफा कमाया और आपको रोटी के लिए मोहताज कर दिया। किसान आज भी अपनी मांगों पर सरकार के झूठे आश्वासन के खिलाफ लड़ रहे हैं।ये हमारा उत्तरदायित्व हो जाता है हम जागें और सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ एक जुट हों। याद आ रहा वह अनाम शायर जो कह गया है।

खुदा किसी को कभी भूखा ना रखे
और रखे तो वक्त से दो रोटी भी दे दे।

पलायन की तीसरी लहर के बावजूद उम्मीदें

ते कुछेक महीनों में, स्वतंत्रता के 75वें साल के समारोहों के दौरान, दुखभरी यादों और व्यथा से संबंधित लेखों का निरंतर प्रवाह जारी रहा है। इनके लेखक अधिकतर विभाजन के बाद बचे लोगों की दूसरी या तीसरी पीढ़ियों के हैं। जब भारत नियति के साथ अपने साक्षात्कार की बात कर रहा था, पंजाब उससे पहले से ही आजादी के साथ अपना प्रथम सरोकार बनाने में लगा था। पंजाब के लोगों को एक बहुत बुरी तरह की त्रासदी झेलनी पड़ी जो एक मरणासन्न साम्राज्य द्वारा रचित और तुच्छ फायदों व विभाजन पर तुले स्वार्थी राजनेताओं द्वारा प्रोत्साहित की गयी थी। उसको लेकर किताबें लिखी गईं, विश्लेषण भी किये गये हैं लेकिन उस सिलसिले का कोई अंत नहीं हुआ। हां, उन लोगों के लिए वह क्रम एक तरह से बंद हो गया जो सरहद पार जाकर अपने गांवों और घरों के दर्शन करने और मुट्ठीभर मिट्टी वापस लाने में सक्षम थे... उन घरों की पवित्र माटी जहां उनकी पीढ़ियां-पुश्तें बसती रही थीं। उस मकान से एक ईंट उसकी यादगार के रूप में रखने के लिए, जो कभी होता था। बेशक, उनके उस पार गर्मजोशी से स्वागत करने के, उन पर उड़ेले गये प्यार और भेंट किये गये तोहफों के किस्से सामने आये। लेकिन क्या यह सब काफी है या फिर ऐसा है कि उक्त सारे कार्यकलाप व प्रयास उस दोनों तरफ के नरसंहार के दौर को विस्मृत नहीं कर पायेंगे।

यह केवल उस समय हुए भयंकर स्कपात के बारे में ही नहीं था, बल्कि इसके बाद हुए पलायन का जलजला भी था जिसमें दोनों ओर के लाखों परिवार रातोंरात शरणार्थी बन गए; जो अपने साथ कोई सामान नहीं ला सके, पैसा भी नहीं, जमीन भी नहीं थी, और न कोई व्यापार व न कोई नौकरी उनके पास थी। वे मार-काट के दौरान अपने मृतक परिजनों को छोड़कर तो जरूर चले आये लेकिन खुद भी जिंदा लाशभर थे। यह संभवत: इतिहास के सबसे बड़े पलायनों में से एक था। हालांकि, पंजाबियों ने इस त्रासदी को बहादुरी व हौसले से झेला, एक सक्रिय सरकार और प्रशासन की मदद के साथ जल्दी ही अपने बूते खड़े होने लगे। किसानों और व्यापारियों को सीमा पार छूट गयी उनकी मूल जायदाद के बदले में भूमि, मकान और दुकानें आवंटित किये गये गये। हालांकि पहले की तुलना में वह सब कुछ बहुत कम था और उन्होंने इस तरह खुद को पुनर्स्थापित करने का दुश्कर कार्य किया। ये प्रवासी लोग पहले तो वर्तमान में पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, कानपुर, कलकत्ता, बम्बई आदि में रहने को चले गए लेकिन बाद में स्थाई तौर पर वहां बसे जहां बेहतरीन विकल्प उपलब्ध हुआ। हालांकि, लोगों की कड़ी उद्यमशीलता को देखते हुए, कुछ ही समय में, 'शरणार्थी' शब्द पंजाबी शब्दावली से बाहर हो गया। बाद में 1960 और 70 के दशक में जब सब कुछ व्यवस्थित होता नजर आने लगा और लगने लगा कि शांति और समृद्धि का दौर है तो हमारे पंजाब पर खून खराबे का एक नया स्रोत खुल गया। आप इसे जो चाहे कह लें, लेकिन इसने एक बार फिर पंजाब की आत्मा को झकझोर कर रख दिया। बता दें कि इस लेख का मकसद यह उल्लेख करना नहीं है कि यह कैसे हुआ। दरअसल, यह छल, साजिश व हिंसा का एक संजाल था; कई घाघ साजिशकर्ताओं द्वारा बुना गया और जिसे सुलझाना बहुत मुश्किल था। हिंसा पहले टार्गेट किलिंग के तौर पर शहरों से शुरू हुई लेकिन वह जल्दी ही देहात क्षेत्र में भी फैल गयी। ऐसे वाकयों की तादाद बढ़ गयी, वहीं उन्नत हथियारों का इस्तेमाल होने लगा व नयी तकनीक का उपयोग बढ़ गया। छोटे कस्बों से व्यापारी पलायन करने लगे वहीं बड़े शहरों अमृतसर, जालंधर, बटाला, मंडी गोबिंदगढ़ व लुधियाना आदि से उद्योगपति नया निवेश करने के विचार से पंजाब के बाहर स्थान खोजने लगे व चालू उद्योग-कारोबार को भी बाहर तब्दील करने की सोचने लगे। पुलिस और आतंकवादियों के दोहरे दबाव के बीच किसान खेती करने में असमर्थ हो रहे थे। इसके चलते वे अपने परिवारों को शहरों में बसाने लगे व कुछ तो जमीन भी बेचने लगे। ऑपरेशन ब्लू स्टार व श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या के बाद यह बूंदों के रूप में मौजूद सिलसिला बाढ़ में तब्दील हो गया। क्योंकि दिल्ली व देश के अन्य भागों में सिखों के खिलाफ हिंसा बढ़ गयी थी, ऐसे में पंजाब की ओर रिवर्स पलायन भी देखने में आया। यह वह समय था जब स्वतंत्रता सेनानी रहे नेताओं की पीढ़ी समाप्त हो चुकी थी। ऐसे में सरकार अकुशल व उदासीन थी, जिससे कोई राहत नहीं मिली। लंबे समय तक राष्ट्रपति शासन लगा रहा जिसका एकमात्र लक्ष्य आतंकवाद को समाप्त करना व पंजाब को सुरक्षित रखना था जो 90 के दशक के मध्य तक पूरा हो सका। इसी बीच, पंजाबी नौकरियों, व्यापार, कारोबार और इंडस्ट्री स्थापना के सिलसिले में नयी जगहों पर गये। ऐसे में पंजाब औद्योगिक आधार से रहित हो गया। सरकारी महकमों का सामान्य कामकाज एक तरह से बंद हो गया और युवाओं के लिए रोजगार के नये अवसर नहीं खुले। इन निराशाजनक हालात में, युवाओं ने यूके, कैनेडा, आस्ट्रेलिया, अमेरिका, इटली व नीदरलैंड जैसे दूरस्थ आयामों का रुख कर लिया। इसी से पलायन की तीसरी लहर निर्मित हो गयी। यात्रा और संचार के आधुनिक साधनों के चलते इस प्रवास को मदद मिली।

रायसेन में जैन श्रद्धालुओं ने रखा ई-उपवास, 24 घंटे के लिए मोबाइल-इंटरनेट से बनाई दूरी

बेगमगंज। इन दिनों पर्यूषण पर्व चल रहा है। इस पावन मौके पर जिले के बेगमगंज कस्बे में जैन समाज के लोगों ने अनूठा उपवास रखा है। उन्होंने 24 घंटे मोबाइल, इंटरनेट से दूर रहने का संकल्प लिया है। यह संकल्प उन्होंने मुनि समता सागर की प्रेरणा से लिया। जैन समाज के अध्यक्ष अक्षय जैन ने इसकी शुरुआत की। वे इसे इंटरनेट मुक्त उपवास कह रहे हैं। गुरुवार सुबह समाज के सभी लोग बिना मोबाइल के मंदिर आए। इस उपवास की नगर में चर्चा हो रही है। उनसे प्रेरित होकर दूसरे लोग भी बोल रहे हैं कि अब हम भी महीने में एक बार ई-उपवास करेंगे!। जैन समाज के अध?यक्ष अक्षय जैन ने इसे डिजिटल फास्टिंग नाम दिया है। वह कहते है युवाओं मै या लोगों में जो लत लगी वो इतनी जल्दी नहीं जाएगी। इसीलिए यह पहल की गई है। इस आदत पर काबू पाने के लिए धीरे-धीरे इसे नियंत्रित करना होगा। हमने लोगों से यही कहा कि वे अपने मोबाइल मंदिर मे 24 घंटे के लिए बंद करके छोड़ दें। उनकी इस अपील पर बड़ी संख्या में लोगों ने मंदिर में अपने मोबाइल जमा करवाए। गौरतलब है कि दो दिन पूर्व ही मुनि समता सागर ने अपने प्रवचन में कहा था कि भारतीय संस्कृति भोग प्रधान

नहीं योग प्रधान एवं साधना प्रधान हैं। जैन संस्कृति में साधनों को महत्व नहीं है। उन्होंने कहा कि आज की संस्कृति पाश्चात्य कल्चर में ढल कर भोग प्रधान संस्कृति को जन्म दे रही है। आत्म शांति, आत्म संतोष और आत्म शुद्धि का एक मात्र मार्ग तपस्या ही है। इस तपश?चरण को प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को अपना आध्यात्मिक लक्ष्य बनाना पड़ेगा एवं खानपान की दिनचर्या से लेकर मर्यादित रहन सहन रखना पड़ेगा। मुनि श्री ने उपवास आदि की प्रेरणा देते हुए कहाकि खाने-पीने का त्याग कर उपवास तो बहुत किया है, इस बार एक दिन विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक साधनों से दूर रहकर इस तरह से उपवास करना है। ताकि आप दिनभर निश्चिंत और निर्विकल्प रह सकें। इस अवसर पर संघस्थ मुनि श्री महासागर जी ने कहा कि संसारी प्राणी इस संसार में विषयों में आसक्त होकर असंयम में पड़ा हुआ है एवं मन के वशीभूत होकर इंद्रियों की सुख-सुविधाओं में दिन रात संलग्न रहता है। उन्होंने कहा कि मन की इच्छाओं पर नियंत्रण करना ही तपस्या का एक सूत्रीय मार्ग है। तपस्या का मुख्य मार्ग तो संत साधकों के लिए है, किंतु गृहस्थ भी तपश?चरण के मार्ग को अपनाते हैं।

एक शिक्षक ने शिक्षा की मशाल से रोशन कर दिया भीलों का जीवन

रायसेन। राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक नीरज सक्सेना ने जंगल में जीवन यापन करने वाले भीलों को अशिक्षा के अंधेरे से निकालकर शिक्षा के जरिए विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का काम किया है। सरकार ने मप्र के रायसेन जिला मुख्यालय से 75 किमी दूर बाड़ी ब्लाक के वन ग्राम सालेगढ़ में स्कूल भवन तो बनवा दिया था, लेकिन वहां बच्चे पढ़ने नहीं, बल्कि मवेशी चराने व शौच करने जाते थे। करीब पांच किमी क्षेत्र में झोपड़ि?यों में निवासरत भील समुदाय के लोग कच्ची शराब बनाने, वन्य प्राणियों का शिकार इत्यादि करके जीवन व्यतीत करते थे। सड़क नहीं होने के कारण बीमार होने अथवा साप्ताहिक हाट बाजार करने के लिए 15 किमी दूर कस्बा सुल्तानपुर पैदल पहुंचते थे। ग्राम के शासकीय प्राथमिक स्कूल में 2009 में शिक्षक नीरज सक्सेना की नियुक्ति हुई। विद्यार्थी जीवन में स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रभावित सक्सेना जैसे-तैसे पथरीले, उबड़-खाबड़ मार्ग जो कि वर्षा के मौसम में दलदल के समान हो जाता है ऐसे मार्ग से स्कूल पहुंचे। घने जंगल व पहाड़ों के बीच दो छोटे कमरों के स्कूल भवन के चारों ओर गंदगी पसरी हुई थी। ग्रामीणों के टपरे जंगल में दूर-दूर नजर आ रहे थे। पर्वत को तोड़ कर रास्ता बनाने जैसी चुनौती देखने के बाद सक्सेना ने संकल्प लिया कि

वे ग्रामीणों के साथ ही गांव की तस्वीर बदलेंगे। पहले ही दिन सूखी झाड़ि?यों की झाड़ू बनाकर जब सक्सेना स्कूल परिसर साफ करने में जुट गए तो यह दृश्य देख कर ग्राम के बच्चे व महिलाएं- पुरुष अचम्भित हो गए। शिक्षक नीरज को इस कार्य के लिए पांच सितंबर शिक्षक दिवस पर नई दिल्ली में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

गांव तक नहीं पक्की सड़क, गर्भवती को गोद में उठाकर ले जाना पड़ा

सिरोंज। ग्राम पंचायत गुलाबगंज के ग्राम बेंदीगढ़ टपरा के रहवासी आज भी पक्की सड़क के लिए तरस रहे हैं, लेकिन जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते आज तक गांव में पक्की सड़क नहीं बन पाई है। जिसका खामियाजा ग्रामीणों को अब वर्षा के दिनों में भुगतना पड़ रहा है। ग्रामीण हेमराज कुशवाह ने बताया कि यदि कोई बीमार हो जाये तो उसे खटिया या कंधे पर बिठाकर मेन रोड तक ले जाना पड़ता है। सिन्नी नाले पर पुलिया का निर्माण नहीं हुआ। जिसके चलते बच्चे वर्षा के दिनों में स्कूल भी नहीं जा पाते। पुलिया पर वर्षा के चार माह तीन-से चार फिट पानी भरा रहता है। यदि तेज वर्षा हो जाती है जो व्यक्ति गांव से बाहर गया है तो उसे दूसरे गांव में ही रुकना पड़ता है। वहीं ग्रामीण देवी सिंह ने बताया कि बेंदीगढ़ के टपरा पर 20 परिवार निवास करते है। कई बार तहसील कार्यालय में आवेदन देकर सीसी सड़क के लिए मांग कर चुके हैं, लेकिन हमारी कोई सुनवाई नहीं हो रही। हेमराज कुशवाह ने बताया कि 30 अगस्त की शाम को उनकी भाभी सपना कुशवाह को प्रसव पीड़ा हुई। एंबुलेंस कच्चा रास्ता व पुलिया नहीं होने के कारण रोड तक ही आ सकी। भाभी को अस्पाताल पहुंचाने के लिए कंधे पर बिठाकर करीब एक किलो मीटर कच्चे रास्ते पर चले और बड़ी मशक्कत कर कच्ची पुलिया पर भरे पानी से पार कराया। तब कहीं जाकर एंबुलेंस से शासकीय राजीव गांधी चिकित्सालय मे उनकी डिलेवरी हो सकी। ग्रामीणों ने मांग करते हुए कहा कि कीचड़ के कारण हमारे बच्चों को स्कूल आने-जाने मे बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ता। वहीं उन्होने चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि हमारी समस्या का निराकरण नहीं किया गया तो आगामी विधानसभा चुनाव में बहिष्कार करेंगे।

विधायक डा सीतासरन शर्मा बिजली उपभोक्ताओं के साथ तीन घंटे तक धरने पर बैठे

नर्मदापुरम। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष व नर्मदापुरम विधायक डा सीतासरन शर्मा ने शुक्रवार को रसूलिया स्थित मप्र विद्युत वितरण कंपनी के संभागीय कार्यालय के सामने धरना दिया। सुबह 11 बजे से लेकर दोपहर 2 बजे तक धरना चलता रहा। इस दौरान विधायक शर्मा के साथ नर्मदापुरम, इटारसी के बिजली उपभोक्ता, भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। भाजपा कार्यसमिति के वरिष्ठ सदस्य पीयूष शर्मा भी अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ धरने में शामिल हुए। इस दौरान उपभोक्ताओं ने विधायक डा शर्मा को अपनी परेशानी बताई। विधायक ने लोगों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। गौरतलब है कि शुक्रवार को एमपीईबी के अधिकारियों ने विधायक डा शर्मा से इटारसी में मुलाकात कर उनसे धरना स्थगित करने की बात कही थी, लेकिन विधायक ने दो टूक जवाब दिया था कि जो भी बात होगी जनता के सामने होगी। इसके बाद शनिवार को धरना दिया गया। पूर्व निर्धारित धरने में शामिल होने के लिए लोग सुबह से ही एमपीबीई कार्यालय में पहुंचना शुरू हो गए थे। पुलिस बल रहा तैनातः रसूलिया स्थित एमपीईबी के प्रबंधक कार्यालय में भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया था। लोगों की संख्या को देखते हुए पुलिस बल की तैनाती की गई थी। एसडीएम माधुरी शर्मा, एसडीओपी पराग सैनी, तहसीलदार शैलेंद्र बड़ोनिया के साथ ही देहात थाना व सिटी कोतवाली का बल मौजूद रहा। लोगों की भीड़ इतनी अधिक थी कि वाहनों को खड़ा करने के लिए कार्यालय में जगह ही नहीं बची थी, जिसके कारण रोड पर वाहन खड़े कराने पड़े।

बिजली कंपनी के अधिकारियों की बहुत शिकायतें

लोगों को संबोधित करते हुए विधायक डा शर्मा ने कहा कि बिजली कंपनी के अधिकारियों के व्यवहार को लेकर काफी शिकायतें हैं। जांच व कार्रवाई के नाम पर बिजली कंपनी के कर्मचारी लोगों को परेशान कर रहे हैं। बेवजह मामले बनाए जा रहे हैं। साथ ही बिजली बिल भी बढ़े हुए दिए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि किसी भी तरह की समस्या अब लोगों को नहीं आने दी जाएगी।

ऑयली व चिपचिपी स्किन के लिए अब्जार्बिंग पेपर या ब्लोटिंग पेपर आवश्यक

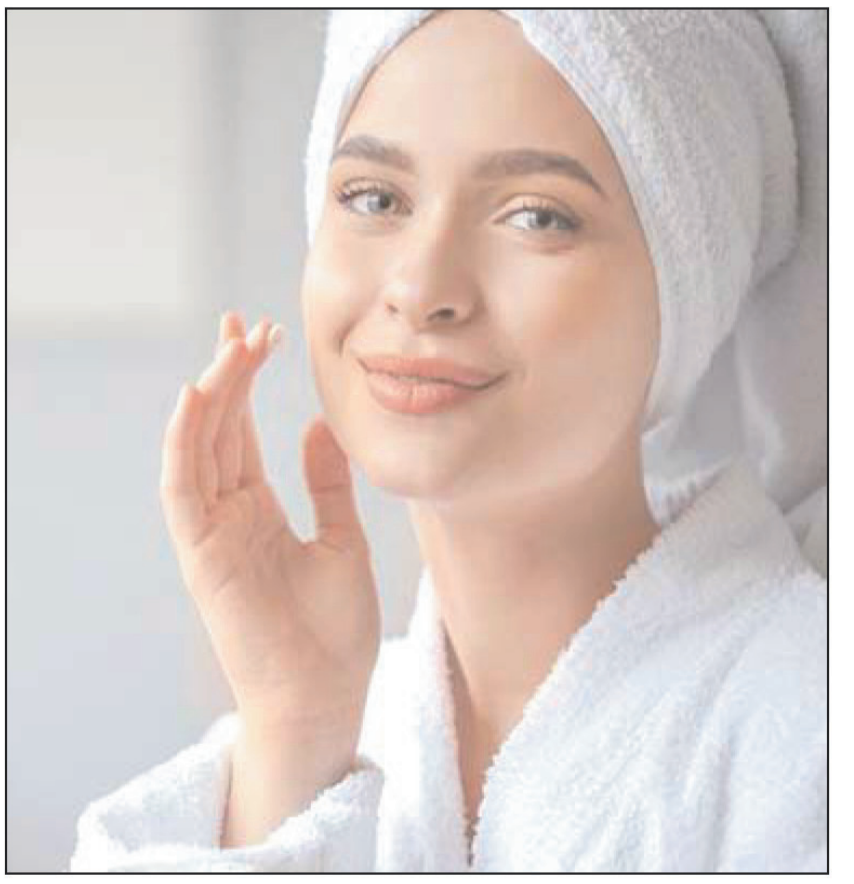

स्किन केयर एक्सपर्ट बताते हैं कि अगर आपकी स्किन ऑयली है तो यह जरूरी है कि आप हमेशा अपने पास अब्जार्बिंग पेपर या ब्लोटिंग पेपर रखें। यह अब्जार्बिंग पेपर आपकी स्किन से तुरंत अतिरिक्त ऑयल को अब्जॉर्ब कर लेगा और आपकी स्किन फिर से खिली-खिली नजर आएगी।

हर इंसान का स्किन टाइप अलग होता है और इसलिए अपनी स्किन की सही केयर करने के लिए उसे अपने स्किन टाइप के अनुसार प्रॉडक्ट्स आदि का चयन करना होता है। खासतौर से, जिन लोगों की स्किन ऑयली होती है, उन्हें अधिक परेशानी होती है, क्योंकि अगर वह अपनी स्किन की सही तरह से केयर नहीं करते हैं तो इससे उनकी स्किन पर हरदम ऑयल बना रहता है और उनकी स्किन अधिक चिपचिपी नजर आती है। तो चलिए आज हम आपको ऑयली स्किन से निजात पाने के कुछ आसान लेकिन प्रभावी तरीकों के बारे में बता रहे हैं-

रखें ब्लॉटिंग पेपर साथ: स्किन केयर एक्सपर्ट बताते हैं कि अगर आपकी स्किन ऑयली है तो यह जरूरी है कि आप हमेशा अपने पास अब्जार्बिंग पेपर य ब्लोटिंग पेपर रखें। यह अब्जार्बिंग पेपर आपकी स्किन से तुरंत अतिरिक्त ऑयल को अब्जॉर्ब कर लेगा और आपकी स्किन फिर से खिली-खिली नजर आएगी। यह एक आसान उपाय है, जो हमेशा काम करता है।

नींबू का करें इस्तेमाल: नींबू ना केवल आपको अनइवन स्किन टोन से मुक्ति दिलाता है, यह अतिरिक्त ऑयल को मैनेज करने में भी मदद करता है। आप बेकिंग सोडा में नींबू का रस व शहद डालकर पेस्ट बना सकते हैं और उसे अपनी स्किन पर अप्लाई कर सकते हैं। करीबन दस मिनट बाद अपनी स्किन को साफ पानी से क्लीन कर लें। इससे आपका चेहरा साफ और चमकदार दिखेगा। यह एक कारगर उपाय है, लेकिन फिर भी इसे पूरे फेस पर अप्लाई करने से पहले एक बार पैच टेस्ट अवश्य करें।

हैवी मेकअप करें अवॉयड: अगर आपकी स्किन ऑयली है तो यह जरूरी है कि जब जरूरत ना हो तो आप हैवी मेकअप अवॉयड करें। बहुत अधिक मेकअप करने से पसीना अधिक आता है और फिर आपकी स्किन अधिक ऑयली व चिपचिपी नजर आती है। इसलिए बेहतर होगा कि आप हमेशा लाइट व नेचुरल मेकअप करें।

दही आएगी काम: स्किन केयर एक्सपर्ट बताते हैं कि दही एक ऐसा इंग्रीडिएंट है, जो ऑयली व रूखी दोनों ही स्किन पर बेहद प्रभावी तरीके से काम करता है। बस आपको इसे सही तरह से इस्तेमाल करना आना चाहिए। अगर आप ऑयली स्किन से मुक्ति चाहते हैं तो आप दही में बेसन डालकर एक मिश्रण तैयार कर लें। अब आप इसे अपने चेहरे पर लगा लें और करीबन दस मिनट के लिए इंतजार करें। अंत में, ठंडे पानी से अपनी स्किन को वॉश कर लें।

संतरे के छिलके का पाउडर है प्राकृतिक एक्सफोलिएटर

संतरे के छिलके का पाउडर एक प्राकृतिक एक्सफोलिएटर है जो स्किन से मृत कोशिकाओं को हटाने और नई कोशिकाओं को पुनः उत्पन्न करने में मदद कर सकता है। इसलिए, आप इसकी मदद से एक स्क्रब तैयार कर सकते हैं।

ठंड का मौसम आते ही लोग बड़े चाव से संतरा खाते हैं। विटामिन सी युक्त संतरा ना केवल खाने में स्वादिष्ट होता है, बल्कि यह सेहत के लिए भी बेहद लाभदायक है। हालांकि, यह देखने में आता है कि लोग संतरा खाकर उसका छिलका बाहर फेंक देते हैं। जबकि संतरे के साथ-साथ उसका छिलका भी बहुत काम का होता है। अगर आप चाहें तो एक भी पैसा खर्च किए बिना महज इन संतरों के छिलकों की मदद से अपनी स्किन का बेहद अच्छी तरह ख्याल रख सकती हैं। बस, आपको इतना करना है कि आप संतरे के छिलके को अच्छी तरह से सुखा लें और फिर उसे पीसकर उसका पाउडर बना लें। इसके बाद, आप इस पाउडर की मदद से अपनी स्किन की केयर कर सकते हैं। तो चलिए आज हम आपको संतरे के छिलके को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करने के कुछ आईडियाज के बारे में बता रहे हैं-

संतरे के छिलके का पाउडर एक प्राकृतिक एक्सफोलिएटर है जो स्किन से मृत कोशिकाओं को हटाने और नई कोशिकाओं को पुनः उत्पन्न करने में मदद कर सकता है। इसलिए, आप इसकी मदद से एक स्क्रब तैयार कर सकते हैं। इसके लिए, आप एक कटोरी में 2 से 3 बड़े चम्मच संतरे के छिलके का पाउडर डालें और 2 बड़े चम्मच चीनी और नारियल के दूध को मिलाकर दरदरा पेस्ट बना लें। अब, पहले अपने फेस को क्लीन करें और फिर इस पेस्ट से अपने चेहरे पर लगाकर हल्के से साफ़ करें और फिर चमकदार और साफ़ त्वचा का अनुभव करने के लिए इसे धो लें।

बनाएं फेस पैक: अगर आप अपनी स्किन में चमक लाना चाहते हैं या फिर टैनिंग को दूर करना चाहते हैं तो ऐसे में आप फेस पैक बनाकर भी इसे इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए, आप 2 बड़े चम्मच संतरे के छिलके का पाउडर लें और इसमें 2 से 3 बूंद नींबू का रस मिलाएं और इसमें चंदन पाउडर मिलाकर चिकना पेस्ट बना लें। अंत में, इसे हल्के हाथों से अपने चेहरे पर लगाएं और आधे घंटे के लिए छोड़ दें और फिर धो लें। यह फेस पैक एक्ने और ऑयली स्किन वाले लोगों के लिए काफी अच्छा माना जाता है।

बनाएं फेस वाश: संतरे के छिलके के पाउडर और गुलाब जल आपकी स्किन को क्लीन करने में मदद करता है। विटामिन सी कोलेजन और इलास्टिन भी बनाता है जो त्वचा को टाइटन करता है। यह फेस वॉश एक्ने पर भी बेहद अच्छी तरह काम करता है। इसके लिए, आप 2 बड़े चम्मच संतरे के छिलके के पाउडर में 3 से 5 बूंद गुलाब जल मिलाएं और इसे अपने चेहरे पर लगाएं और फिर उसके बाद अपनी स्किन को धो दें।

एक गुणकारी औषधि है लहसुन

लहसुन की मदद से स्ट्रेच मार्क को दूर किया जा सकता है। इसे उपयोग करने वाले ज्यादातर लोगों का मानना है कि अगर आपकी त्वचा पर स्ट्रेच मार्क हो रहे हैं तो आप इसका इलाज लहसुन से कर सकते हैं। इसके लिए जैतून के तेल को पहले गर्म करें।

लहसुन को बहुत गुणकारी माना जाता है, यह न सिर्फ सब्जियों का स्वाद बढ़ाने के लिए उपयोग में आता है बल्कि यह सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। लहसुन का इस्तेमाल ज्यादातर सामान्य सर्दी, हल्की खांसी और संक्रमण से बचाव के लिए किया जाता है। इससे इम्यूनिटी सिस्टम को भी मजबूत बनाया जा सकता है। इतना ही नहीं, इसकी मदद से स्किन का भी ख्याल रखा जा सकता है। दरअसल, लहसुन से त्वचा का ख्याल रखा जा सकता है। हालांकि, इसके बारे में कम लोगों को ही जानकारी है। अगर आप भी इन्हीं में से एक हैं जो लहसुन से स्किन को होने वाले फायदों के बारे में नहीं जानते हैं, तो आइए आपको लहसुन से स्किन के 7 समस्याओं का रामबाण इलाज बताते हैं...

मुंहासों से मिलेगा छुटकारा: ब्यूटी एक्सपर्ट्स कहते हैं कि चेहरे पर हो रहे मुंहासे हमारी खूबसूरती पर भी काफी बुरा असर डालते हैं। ऐसे में इनसे जल्द से जल्द छुटकारा पा लेना चाहिए। वहीं, लहसुन से मुंहासों को सही किया जा सकता है। इसके लिए 4 से 5 लहसुन की कलियां लें और इसे मिक्सी में पीस लें। इसके बाद इसमें एक छोटा चम्मच दही और एक बड़ा चम्मच शहद का मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इसे मुंहासों पर लगाने के 15 मिनट बाद चेहरे को पानी से धो लें। इस तरह से रोजाना करने से कुछ ही दिनों में आपके मुंहासे दूर हो जाएंगे। आप चाहें तो रोजाना खाली पेट लहसुन की एक कली का सेवन कर सकते हैं। इससे भी आपकी स्किन को फायदा होगा।

स्ट्रेच मार्क करें दूर: लहसुन की मदद से स्ट्रेच मार्क को दूर किया जा सकता है। इसे उपयोग करने वाले ज्यादातर लोगों का मानना है कि अगर आपकी त्वचा पर स्ट्रेच मार्क हो रहे हैं तो आप इसका इलाज लहसुन से कर सकते हैं। इसके लिए जैतून के तेल को पहले गर्म करें। इसमें करीब 3 लहसुन की कलियां या उसका रस मिलाकर हल्का ब्राउन होने तक भूने। इसके बाद ठंडा होने के लिए छोड़ दें। जब ये हल्का ठंडा हो जाए तो इसे अपने स्किन पर हो रहे स्ट्रेच मार्क्स पर लगा लें। इस तरह से कुछ दिनों तक मसाज करने पर आपको फर्क नजर आने लगेगा और फिर ये मार्क दूर हो जाएंगे।

व्हाइटहेड और ब्लैकहेड: चेहरे पर व्हाइटहेड और ब्लैकहेड की समस्या होने से खूबसूरती पर काफी बुरा असर पड़ता है। इससे छुटकारा पाने के लिए लहसुन की मदद ली जा सकती है। इसके लिए लहसुन की एक कली और आधे टमाटर को पहले पीसकर एक मिश्रण तैयार कर लें। इसके बाद इसे अपने चेहरे पर 10 मिनट के लिए लगाकर रखें और फिर पानी से फेस को धो लें।

झुर्रियों का इलाज: बढ़ती उम्र के साथ त्वचा पर झुर्रियां भी होने लगती हैं। इससे छुटकारा पाने के लिए हम सभी तरह-तरह के तरीकों को अपनाने लगते हैं। हेल्दी स्किन बनाने के लिए जिस तरह से अच्छी डाइट जरूरी है, ठीक वैसे ही त्वचा की केयर करना भी जरूरी है। अगर आप चेहरे से झुर्रियां हटाना चाहते हैं तो इसके लिए आप लहसुन का सहारा ले सकते हैं। इसे उपयोग करने वाले ज्यादातर लोगों का मानना है कि झुर्रियों को कम करने के लिए लहसुन एक अच्छा विकल्प है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट झुर्रियों को कम करता है। इसके लिए लहसुन के रस में शहद और नींबू को मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। अब इसे अपने चेहरे पर 10 मिनट के लिए लगाकर रखें। इसके बाद पानी से फेस वॉश कर लें। इस तरह से हफ्ते में दो बार करने पर आपको फर्क नजर आने लगेगा।

त्योहारी सीजन में ऑनलाइन बिक्री 11.8 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है, रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स कंपनियों को इस साल त्योहारी सत्र के दौरान अपनी सालाना बिक्री 28 प्रतिशत बढ़कर 11.8 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच जाने की उम्मीद है। रेडसीर की ओर से जारी की गई एक रिपोर्ट में इस बात का अनुमान लगाया गया है। रणनीतिक सलाहकार फर्म रेडसीर ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि वर्ष 2018 की तुलना में इस साल त्योहारी सीजन में ऑनलाइन खरीदारी करने वालों की संख्या दोगुनी हो सकती है।

रेडसीर के अनुसार त्योहारी सत्र सितंबर महीने के उत्तरार्ध से शुरू होकर दिवाली तक चलता है। रिपोर्ट के मुताबिक, त्योहारी सत्र पूरे देश में शुरू होने वाला है। रेडसीर ने त्योहारी महीने के दौरान ऑनलाइन वस्तुओं की बिक्री 11.8 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान लगाया है, जो पिछले साल की तुलना में 28 प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया कि त्योहारी सत्र से पहले विभिन्न श्रेणियां अलग-अलग तरह से विकसित हो रही हैं और इसका असर विभिन्न श्रेणियों की खरीदारी पर अलग-अलग होगा। रेडसीर ने आगे कहा कि त्योहारी सीजन के पहले सप्ताह में ही बिक्री 5.9 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो पिछले साल की तुलना में 28 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक इस साल फैशन श्रेणी में ऑनलाइन खरीदारी बढ़ने का अनुमान है और इस दौरान टियर-2 शहरों में खासतौर से मांग देखने को मिल सकती है। रेडसीर स्ट्रैटेजी कंसल्टेंट्स के एसोसिएट पार्टनर संजय कोठारी ने कहा, हमारा अनुमान है कि 2018 के मुकाबले ऑनलाइन दुकानदारों की संख्या में लगभग चार गुना वृद्धि हुई है। यह वृद्धि कारोबारियों द्वारा तेजी से डिजिटल को अपनाने और टियर-2 शहरों में बढ़ती पैठ से प्रेरित है।

182 करोड़ रुपये के फर्जी आईटीसी मामले में बड़ी कार्रवाई, रोबोस्टील की निदेशक गिरफ्तार

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के नवी मुंबई सीजीएसटी के अधिकारियों ने रोबोस्टील ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड की निदेशक को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि उनकी गिरफ्तारी 1,075 करोड़ रुपये के फर्जी चालानों के आधार पर 182 करोड़ रुपये के नकली आईटीसी (इनपुट टैक्स क्रेडिट) का अवैध रूप से लाभ उठाने और उपयोग करने के मामले में की गई है। सूत्रों के मुताबिक उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं इसी तरह के एक अन्य मामले में सीजीएसटी मुंबई साउथ के अधिकारियों ने 27.80 रुपये के फेक आईटीसी के मामले में टेक्नो सेटकॉम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के निदेश को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि इस मामले में आरोपित ने 142 करोड़ रुपये के फर्जी इनवॉइस इश्यू कर आईटीसी का लाभ लिया गया। आरोपित को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

मुंबई के सायन और बोरीवली क्षेत्र में आयकर विभाग की छापेमारी

वहीं, टैक्स चोरी और राजनीतिक फंडिंग के सिलसिले में मुंबई के सायन और बोरीवली इलाके में आयकर छापेमारी चल रही है। छापेमारी बुधवार से जारी है।

लगातार दूसरे दिन शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 168 अंक लुढ़का, निफ्टी 17625 से नीचे

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुए। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय बाजार से मिले कमजोर रुझानों के बाद बाजार की शुरुआत भी नीचे लुढ़क कर हुई थी। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन सेंसेक्स 168 अंक गिरकर 59,029 अंकों पर तो निफ्टी 31 अंक फिसलकर 17,624 के स्तर पर बंद हुआ। भारतीय बाजार के प्रदर्शन पर महंगाई, ब्याज दरों में बढ़ोतरी की चिंता और ग्लोबल मार्केट में आई कमजोरी का दबाव दिखा। बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और ऑटो सेक्टर के शेयरों में बिकवाली दिखी जिससे बाजार कमजोर हुआ। वहीं दूसरी ओर फार्मा, आईटी, हेल्थकेयर और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स के शेयरों में खरीदारी देखने को मिली। बुधवार के कारोबारी सेशन में टाटा मोटर्स, बजाज ऑटो, इंडसइंड बैंक, एमएंडएम, मारूति और भारती एयरटेल के शेयर टॉप लूजर रहे जबकि श्री सीमेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, अदाणी पोर्ट्स, कोल इंडिया, ग्रासिम और ब्रिटानिया के शेयर टॉप गेनर्स की लिस्ट में शामिल रहे।

क्रिप्टोबाजार में तेजी बरकरार बिटकॉइन 2% जबकि इथेरियम 4% तक उछला

नई दिल्ली। क्रिप्टोकरेंसी का बाजार बीते 24 घंटों के दौरान वोल्यूम बढ़ने के कारण अपनी बढ़त बरकरार रखने में सफल रहा है। मंगलवार को बिटकॉइन 24000 अमेरिकी डॉलर के ऊपर कारोबार कर रहा है। बिटकॉइन में दिख रही तेजी यह साबित कर रही है कि लोग अब भी जोखिम के बावजूद क्रिप्टो में निवेश कर रहे हैं। बता दें कि क्रिप्टो बाजार में बीते चार दिनों से क्रिप्टो बाजार में उछाल देखी गई है। बाजार में दिख रही यह तेजी इस बात का प्रमाण है कि क्रिप्टो के निवेशक यह मान कर चल रहे हैं कि जल्द ही बाजार में जारी मंदी की अटकलों पर विराम लग जाएगा और महंगाई नियंत्रण में रहेगी। शुक्रवार को इथेरियम में चार प्रतिशत जबकि बिटकॉइन में दो प्रतिशत की तेजी दिख रही है। पोल्काडॉट क्रिप्टोकरेंसी में पांच प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। बीएनबी, अवलांचे और शिबू इनू क्रिप्टो में हल्की गिरावट दिखी। क्रिप्टोकरेंसी बाजार का कुल मार्केट कैप बीते 24 घंटों के दौरान 2त्न से बढ़कर 1.13 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर पर पहुंच चुका है। इस दौरान बाजार में कुल ट्रेडिंग वॉल्यूम भी 80 फीसदी तक बढ़कर 76.14 बिलियन डॉलर के करीब पहुंच गया। ग्लोबल क्रिप्टो एक्सचेंज ने कहा कि उसने भारत के निजी क्रिप्टो एक्सचेंस के साथ ऑफ चेन फंड ट्रांसफर सेवा को समाप्त कर दिया है।

देश के सर्राफा बाजार में सोना 225 रुपये फिसला, चांदी की चमक में भी आई कमी

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली के सर्राफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार बुधवार को सोना 225 रुपये की गिरावट के साथ 50,761 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव पर बिका। इससे पिछले कारोबारी सेशन में सोना 50,986 रुपये प्रति दस ग्राम की कीमत पर बंद हुआ था। सर्राफा बाजार में चांदी में भी कमजोरी देखने को मिली। चांदी की कीमत 315 रुपये लुढ़क कर 54,000 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। पिछले कारोबारी सेशन में भाव 54,324 रुपये प्रति किलोग्राम था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना तेजी के साथ 1,702 डॉलर प्रति औंस के भाव पर बिका, जबकि चांदी 18.18 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर रही। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के सीनियर एनालिस्ट (कॉमोडिटीज) तपन पटेल का मानना है कि अमेरिका के आर्थिक आंकड़े आने के बाद अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से आक्रामक ढंग से ब्याज दर बढ़ाने की आशंका और डॉलर के मजबूत होने से सोना 1,700 डॉलर प्रति औंस के करीब करोबार करता दिख रहा है। सोने के वायदा में कमजोर हाजिर मांग के चलते सटोरियों की ओर से अपने अपने सौदों का आकार घटाने से वायदा कारोबार में बुधवार को सोने के भाव 35 रुपये की कमजोरी के साथ 50,246 रुपये प्रति दस ग्राम रह गए। मल्टी कॉमोडिटी एक्सचेंस में अक्तूबर महीने की डिलिवरी के लिए सोने का भाव 35 रुपये (0.07त्न) की कमजोरी के साथ 50,246 रुपये प्रति दस ग्राम रह गया है।

भारत और इस्राइल के बीच एफटीए से दोनों देशों को लाभ, सेन फ्रांसिस्को में बोले वाणिज्य मंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत और इस्राइल के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते से दोनों देशों को लाभ पहुंचेगा। अमेरिका के सेन फ्रांसिस्को में भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा है कि जब तक भारत को अच्छी डील नहीं मिलेगी यह समझौता नहीं करेगा। बता दें कि भारत और इस्राइल फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के लिए वर्ष 2010 के मई महीने से ही बातचीत कर रहे हैं। बता दें कि मुक्त व्यापार समझौत के तहत दो देश आपसी व्यापार के तहत लिए जाने वाले सामानों की अधिकतम संख्या पर सीमा शुल्क को बहुत कम या समाप्त कर देते हैं। इसके अलावा वे सेवाओं में व्यापार को बढ़ावा देने और निवेश को आकर्षित करने के मानदंडों को आसान बनाने की कोशिश करते हैं। बता दें कि भारत इस्राइल को प्रमुख रूप से कीमती पत्थर और धातु, रासायनिक उत्पाद और वस्त्रों का निर्यात करता है जबकि आयात में कीमती पत्थर व धातु, रसायन व खनिज उत्पाद, आधार धातु, मशीनरी और परिवहन उपकरण उपकरणों को आयात करता है। दोनों देशों के बीच वित्तीय वर्ष 2021-22 में लगभग 8 बिलियन अमेरिकी डॉलर द्विपक्षीय व्यापार हुआ है। इससे पहले 2020-21 में दोनों देशों के बीच 4.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर द्विपक्षीय व्यापार हुआ था। भारत ने हाल ही में यूएई और ऑस्ट्रेलिया के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किया है।

पीयूष गोयल ने लॉन्च किया SETU प्रोग्राम

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका के सेन फ्रांसिस्को में स्श्वञ्ज प्रोग्राम लॉन्च किया है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका का ये प्रोग्राम स्श्वञ्ज अमेरिकी और भारतीय कंपनियों के बीच एक सेतु का काम करेगा। उन्होंने कहा कि इसका लक्ष्य भारतीय स्टार्टअप्स को अमेरिकी निवेशकों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि इस प्रोग्राम में हम ट्रांसफॉर्मेशन और अपस्किलिंग इनिशिएटिव्स के जरिए उद्यमियों को सपोर्ट करना चाहते हैं। हम वह प्रोग्राम भी देख रहे हैं, जिसे स्टार्टअप एडवाइजरी काउंसिल ने भारत में शुरू किया था। इसमें मेंटरशिप की शुरुआत की जा रही है। उन्होंने बताया कि इसके लिए काफी अच्छे सुझाव मिले हैं।

प्रमुख फैशन ब्रांड Gucci ने किया एलान, क्रिप्टो के रूप में स्वीकार करेगा भुगतान

नई दिल्ली। हाई इंड इटालियन फैशन ब्रांड Gucci दुनिया की पहली मेजर फैशन ब्रांड बन गई है जिसने अब क्रिप्टोकरेंसी के रूप में भी भुगतान स्वीकार करना शुरू कर दिया है। मीडिया रिपार्ट्स के अनुसार फैशन ब्रांड Gucci ने बोर्ड एप याट क्लब से संबंध एनएफटी से भुगतान स्वीकारना शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि कंपनी ने इस फैसले की घोषणा पिछले हफ्ते की। Gucci के पांच महीने पुरानी क्रिप्टोकरेंसी ApeCoin से भुगतान स्वीकार करने के फैसले से इस एनएफटी को किप्टो मार्केट में एक्सपोजर मिलने की उम्मीद बढ़ी है। बता दें कि दुनिया की प्रमुख फैशन ब्रांड Gucci ने क्रिप्टोकरेंसी के रूप में भुगतान स्वीकार करने का फैसला ऐसे समय पर लिया है जब क्रिप्टोकरेंसी का बाजार मंदी के दौरान से गुजर रहा है। सभी बड़ी क्रिप्टोकरेंसी जैसे बिटकॉइन, इथेरियम और डॉजकॉइन में पिछले कुछ महीनों में बड़ी गिरावट देखी गई है।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)